www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 54 ||अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
15 मई 2026 ||पृष्ठः 08 ||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:19
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | संयम और स्वदेशी ही है भारत... >>पेज 04 | लड्डू न देने पर हत्या गले में ... >>पेज 06 | 'एक दिन' के फ्लॉप होते ही...

मुख्यमंत्री योगी ने गिनाईं विकास और सुशासन की उपलब्धियां
'बदल रहा उत्तर प्रदेश'

चर्चा

- सात शहरों में मेट्रो का सफल संचालन।
- दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रदेश की बढ़ती ताकत।
- 50 लाख हेक्टेयर जमीन को निशुल्क जल।

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'UP को बदलने के 9वें वर्ष' के उपलक्ष्य में आयोजित एक कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और कृषि क्षेत्र में आए क्रांतिकारी बदलावों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 7 शहरों में मेट्रो का सफल संचालन हो रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने देश की पहली रैपिड रेल (नमो भारत) का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली और मेरठ के बीच इसकी शुरुआत प्रदेश की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। >> (शेष पेज 06 पर)

50 लाख हेक्टेयर जमीन को निशुल्क जल उपलब्ध

किसानों के हित में किए गए कार्यों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगभग 50 लाख हेक्टेयर जमीन को निशुल्क जल उपलब्ध करा रही है। नहरों के जाल और ट्यूबवेल के विस्तार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। सुशासन का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था के मामले में जो कड़े लक्ष्य तय किए थे, उनके परिणाम आज सबके सामने हैं।

सियासी जानकारों का दावा है कि ऐसे में भले ही इन मंत्रियों के पद चुनाव निकट आने के कारण बच गए हों, उनकी जिम्मेदारी जरूर कम की जा सकती है। वहीं, जिन मंत्रियों का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है, उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देकर चुनावी मैदान में एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की जा सकती है।

- कैबिनेट विस्तार और सीएम योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा, अमित शाह-नितिन नवीन से मुलाकात

नहीं हो पाया है विभागों का बंटवारा

यूपी कैबिनेट का भले ही विस्तार हो गया हो। कैबिनेट में सभी 60 मंत्रियों के पद भर दिए गए हैं, लेकिन अभी तक रविवार को शपथ लेने वाले मंत्रियों के विभागों का बंटवारा नहीं हो पाया है। दो राज्य मंत्री पहले से सरकार में काम कर रहे थे। उन्हें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है। वहीं, दो कैबिनेट और चार नए राज्य मंत्री बनाए गए हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली में सीएम योगी आदित्यनाथ की सीनियर लीडरों के साथ मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल के स्वरूप में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। पिछले दिनों कई मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्ट मंगाई गई थी। मुख्यमंत्री ने स्वयं कई विभागों की समीक्षा की। इसमें विभागों के कामकाज को लेकर असंतुष्टि की बात भी सामने आई थी।

- मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि पिछले नौ वर्षों के प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को विकास की एक नई ऊंचाई पर पहुँचाया है, जिससे राज्य की पहचान वैश्विक स्तर पर बदली है।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त (CEC) और चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने कहा- अगर सरकार को ही फैसला करना है तो सिलेक्शन कमेटी में नेता विपक्ष (LoP) को रखकर स्वतंत्रता का दिखावा करने की जरूरत क्या है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि CBI डायरेक्टर की सिलेक्शन कमेटी में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) शामिल होते हैं, लेकिन चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाली समिति में कोई स्वतंत्र सदस्य नहीं रखा गया है। कोर्ट 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और जहाज डूबा
14 क्रू मेंबर्स को कोस्टगार्ड ने बचाया

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया।

हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया।

गुजरात के द्वारका निवासी और जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि MSV हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था। सुबह करीब 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास जहाज हादसे का शिकार हो गया। >> (शेष पेज 06 पर)

- हमले का शिकार हुआ हाजी अली नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था।

अखिलेश के भाई प्रतीक को ससुर ने दी मुखाग्नि
सपा प्रमुख ने चिता पर लकड़ी रखी, प्रणाम किया, भतीजी को चॉकलेट खिलाई

अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक गुरुवार दोपहर पंचतत्व में विलीन हो गए। लखनऊ में पत्नी अपर्णा के पिता यानी प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने चिता को मुखाग्नि दी। अखिलेश ने भाई की चिता पर लकड़ी रखी और अंतिम प्रणाम किया। प्रतीक की दोनों बेटियां प्रथमा और पद्मजा भी श्मशान घाट पर मौजूद रहीं। दोनों ने पिता की चिता पर

लकड़ी रखी। प्रतीक की छोटी बेटी पद्मजा अपने ताऊ अखिलेश के पास थी। अखिलेश ने उससे बात की और चॉकलेट खिलाई। अंतिम संस्कार कराने वाले पंडित ध्रुव कुमार तिवारी ने से कहा था- अगर अखिलेश यादव या उनके बेटे से मुखाग्नि दिलाई जाए तो ज्यादा अच्छा होगा। >> (शेष पेज 06 पर)

अंतिम यात्रा में हजारों समर्थक साथ-साथ चले

गुरुवार सुबह प्रतीक यादव के शव को अंतिम दर्शन के लिए घर में रखा गया। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी। ब्रजेश पाठक पत्नी नम्रता के साथ पहुंचे थे। शिवपाल यादव और डिंपल यादव ने भी अंतिम दर्शन किए। घर से 5 किमी दूर बैकुंठ धाम तक शव यात्रा निकाली गई। >> (शेष पेज 06 पर)

19 राज्य-यूटी में एसआईआर का ऐलान यहां 37 करोड़ वोटर्स
30 मई से 23 दिसंबर के बीच होगा वेरिफिकेशन

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR) की घोषणा की है। यह SIR का तीसरा फेज होगा। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा। जिन राज्यों में SIR होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। अन्य 13 राज्यों में 2028 और 2029 में चुनाव होंगे। SIR के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। SIR के बाद बिहार, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती है। केरल में कांग्रेस गठबंधन और तमिलनाडु में TVK ने जीत हासिल की है। असम में स्पेशल रिवीजन (SR) हुआ। यहां भी भाजपा सरकार की वापसी हुई। >> (शेष पेज 06 पर)

- पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव

आंधी-बारिश में टिनशेड के साथ 50 फीट उड़ा युवक, 100 मीटर दूर खेत में गिरा

- बरेली में युवक 90 kmph की रफ्तार से चली आंधी में करीब 50 फीट हवा में उड़ गया। वह खेत में जाकर गिरा।

यूपी में 111 मौतों पर पुतिन ने जताया दुख

तबाही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर । यूपी में आंधी-तूफान और तेज बारिश की वजह से पिछले 24 घंटे में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मौतों पर दुख जताया है।

पुतिन ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना शोक संदेश भेजा है। कहा, उत्तर प्रदेश में तूफान के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। बुधवार शाम को गाजियाबाद, वाराणसी, अयोध्या समेत 30 जिलों में तूफान आया। बारिश के साथ ओले गिरे। कई जगह पेड़ टूटकर गिर गए। बिजली के खंभे उखड़ गए। दीवार गिरने से गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। बरेली में 90 की रफ्तार में चली आंधी में टिन शेड के साथ 50 साल का युवक करीब 50 फीट हवा में उड़ गया। वह 100 मीटर दूर खेत में गिरा। उसका हाथ टूट गया। >> (शेष पेज 06 पर)

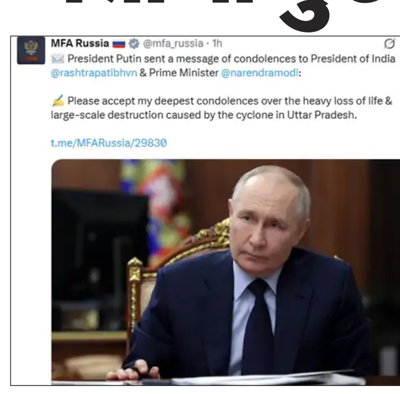

रूस के राष्ट्रपति ने यूपी में मौतों पर दुख जताया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया उन लोगों के परिवारों और प्रियजनों तक मेरी सहानुभूति और समर्थन के शब्द पहुंचाएं, जिन्होंने इस आपदा में अपनी जान गंवाई है; साथ ही, इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की मेरी शुभकामनाएं भी उन तक पहुंचाएं।

- लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-आज से पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने लगेगा। इससे प्रदेश में मौसम साफ होने लगेगा।
- तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। दिन के साथ रात में गर्मी पड़ेगी। 16 मई से बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में लू चलने और तपिश बढ़ने की भी संभावना है।

भाजपा बोली- राहुल 22 साल में 54 बार विदेश गए

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी ने पिछले 22 साल में 54 विदेश यात्राएं की हैं। सितंबर 2025 में सीक्रेट यात्राएं भी की हैं। उन्होंने दावा किया कि हर विदेश दौरे में राहुल के साथ 3-4 लोग भी जाते थे। इन यात्राओं पर कुल खर्च करीब 60 करोड़ बैठता है। राहुल के हलफनामे के मुताबिक पिछले 10 साल में उनकी घोषित आय 11 करोड़ रही, तो इन यात्राओं का खर्च किसने उठाया, किसने फंडिंग की? राहुल फंडिंग का सोर्स बताएं। इधर, कांग्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल में 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने X पोस्ट में लिखा- जनता की गाढ़ी कमाई, मौज-मस्ती पर उड़ाई।

बदलाव : एसपी प्राची सिंह ने पुलिसिंग सुधार के तहत लिया फैसला

जैतपुर थानाध्यक्ष का तबादला दो उपनिरीक्षकों का हुआ फेरबदल

आदेश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जैतपुर थानाध्यक्ष का तबादला कर दिया है। इस आदेश के तहत जिले में दो उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस विभाग में यह फेरबदल तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आदेश के अनुसार जैतपुर थाने के थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक धीरेंद्र

कुमार आजाद को पद से हटा दिया गया है। उन्हें अब अलीगंज थाने में सीनियर सब-इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि थानों में तैनात अधिकारियों की जिम्मेदारी तय है और काम में ढिलाई किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर पुलिसिंग और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए समय-समय पर कार्यक्षेत्र में बदलाव किया जाता रहेगा। जिससे पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

वहीं अलीगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक प्रेमचंद को जैतपुर थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य थानों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना बताया गया है।

कानून-व्यवस्था सुधार पर फोकस

पुलिस अधीक्षक की ओर से किए गए इस फेरबदल को जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की दिशा में कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार थानों में कामकाज की नियमित समीक्षा के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। एसपी ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि कार्य में लापरवाही या अपेक्षित प्रदर्शन न करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। थानों की कार्यप्रणाली को अधिक सक्रिय और परिणाममुखी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

ममता काला कोट पहनकर पहुंचीं कलकत्ता हाईकोर्ट
चुनावी हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की, बुआ चोर-भतीजा चोर के नारे लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी एक बार फिर काला कोट पहनकर कोर्ट में दलीलें देने पहुंची। ममता गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन के सामने पेश हुईं। मामला हाल के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था। सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। >> (शेष पेज 06 पर)

याचिका में दावा- टीएमसी कार्यकर्ता घर छोड़ने मजबूर

याचिका उत्तरपारा विधानसभा क्षेत्र से हारे हुए उम्मीदवार शीर्षान्य बंद्योपाध्याय ने दायर की थी। 12 मई को दायर की गई जनहित याचिका में पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया गया है। >> (शेष पेज 06 पर)

"बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एनरोलमेंट और वकालत के रिकॉर्ड मांगे हैं। बीसीआई ने एनरोलमेंट, प्रैक्टिस के निलंबन और प्रैक्टिस सर्टिफिकेट की जानकारी 2 दिन के भीतर देने को कहा है।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ई-रिक्शा से यात्रा कर दिया ईंधन बचत व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

'नो व्हीकल डे' मानते हुए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें : मंत्री दिनेश

जनसंदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

उद्यान मंत्री ने ऊर्जा संरक्षण के संबंध में निर्देशित किया कि कार्यालयों में एसी का तापमान 24 डिग्री से कम न रखा जाए तथा कार्य समाप्ति के बाद सभी विद्युत उपकरण अनिवार्य रूप से बंद किए जाएं। सरकारी भवनों एवं प्रक्षेत्रों पर सोलर पैनल लगाने तथा सिंचाई के लिए सोलर पंप को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक स्ट्रीट लाइटें न जलाई जाएं।

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरूवार को मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अपील एवं मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशों के अनुपालन में ईंधन बचत व पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की है। इसी क्रम में उन्होंने अपने 19, गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास से उद्यान निदेशालय तक ई-रिक्शा के माध्यम से यात्रा कर जनसंदेश दिया कि सार्वजनिक परिवहन अपनाना समय की मांग है। उद्यान मंत्री ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनज़र ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर की गई अपील को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा कि आम जनमानस सप्ताह में कुछ दिन भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें तो ईंधन की खपत, प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव में कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर उद्यान विभाग में आयोजित बैठक में उद्यान मंत्री ने प्रदेश के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यालय, मंडल और जनपद स्तर पर ईंधन एवं ऊर्जा व्यय में कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को "नो व्हीकल डे" मनाया जाए एवं सार्वजनिक वाहनों का कार्यालय आने-जाने में प्रयोग करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अधिकतम बैठकें ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएं, अनावश्यक यात्रा न करें। साथ ही समान रूट पर आने वाले अधिकारी-कर्मचारी आपसी समन्वय से एक ही वाहन का उपयोग करें।

इसके अतिरिक्त, राजकीय पौधशालाओं एवं प्रक्षेत्रों पर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। खाद्य तेल की खपत में कमी लाने तथा स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वयं भी इन उपायों को अपनाएं और आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें। उद्यान मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, ईंधन एवं ऊर्जा बचत केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने देश के आमजनमानस से ईंधन व ऊर्जा बचत, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक परिवहन तथा "स्वदेशी अपनाओ" अभियान को जनांदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय पार्क एवं उद्यानों में इससे संबंधित प्रचार समाग्रियों के माध्यम जनजागरूकता फैलायी जाए।

एसटीएफ ने 25 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा

चंदौली में फायरिंग करके भागा, लखनऊ में छिपा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में यूपी एसटीएफ ने चंदौली जिले के एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। पुलिस को चकमा देकर छिपकर रह रहा था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। एसटीएफ ने आरोपी को आशियाना इलाके से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि चंदौली के थाना सैयदराजा में दर्ज मुकदमे में वांछित आशुतोष सिंह लखनऊ में छिपकर रह रहा है। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ लाल प्रताप सिंह के निर्देशन में टीम गठित की गई।

मुख्य आरक्षी गौरव सिंह, विनोद सिंह और अखिलेश कुमार ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को बुधवार शाम करीब 7:10 बजे मां गायत्री स्वीट्स एवं नमकीन के पास, नाबार्ड बैंक के निकट पावर हाउस रोड एलडीए कॉलोनी से उसे गिरफ्तार किया गया। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जून 2025 में पारिवारिक संपत्ति की पैमाइश के दौरान उसके परिवार के शैलेन्द्र कुमार सिंह से विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान उसने अपने साथी गोलू उर्फ राजीव सिंह के साथ मिलकर शैलेन्द्र सिंह को दौड़ाकर जान से मारने की धमकी दी थी। हवा में कई राउंड फायरिंग की थी। घटना के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद से वह फरार चल रहा था और लखनऊ में छिपकर रह रहा था। आरोपी के खिलाफ थाना सैयदराजा में केस दर्ज है।

फास्ट न्यूज

हजरतगंज में युवक को कार से कुचलने की कोशिश

लखनऊ । लखनऊ के हजरतगंज इलाके में विधान भवन गेट नंबर-8 के पास एक कार सवार युवक ने स्कूटी सवार को कुचलने की कोशिश की। कार सवार युवक ने तेज हॉर्न बजाकर स्कूटी सवार को डराने की कोशिश भी की और उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इसके बाद स्कूटी सवार युवक गाड़ी से उतरकर कार के पास पहुंचा। जिसका वीडियो भी सामने आया है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतीक यादव को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव के दिवंगत पति प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए तथा पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

लखनऊ एयरपोर्ट के पास चलती कार में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बुधवार रात एक चलती अर्टिगा कार में अचानक आग लग गई। एयरपोर्ट से महज कुछ दूरी पर हुए इस घटना में कार चालक ने समय रहते गाड़ी रोककर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई, वहीं मौके पर पहुंची दमकल टीम ने 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा-2026 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 17 मई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर छात्रहित में बढ़ा दी गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थियों एवं विभिन्न संस्थाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि को अब 14 मई 2026 से 17 मई 2026 तक के लिए पुनः विस्तारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 11 मई 2026 किया गया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों द्वारा तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया जा रहा था, जिस पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया गया है।

परिषद के अनुसार, 11 मई 2026 तक कुल प्रवेश क्षमता 2,71,093 सीटों के सापेक्ष चार लाख से अधिक अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया जा चुका है, जो इस परीक्षा की लोकप्रियता को दर्शाता है। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे विस्तारित तिथि का अधिकतम लाभ उठाते हुए परिषद की आधिकारिक वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर जाकर शीघ्र आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें।

मां ने होमगार्ड बेटी संग बेटे को बेरहमी से पीटा

बख्शी का तालाब। लखनऊ के इटौंजा इलाके में मां ने होमगार्ड बेटी के साथ मिलकर बेटे की बेरहमी से पिटाई की। दोनों ने पहले उसके आंख में मिर्च पाउडर झोंक दिया। उसके बाद 2 अन्य लोगों के साथ मिलकर लोहे की रॉड और डंडों से पीटा। चाकू से वार किए। आसपास के लोगों के जुटने पर उसे बेसुध छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीण पीड़ित को लेकर इटौंजा थाने पहुंचे। आरोप है कि करीब डेढ़ घंटे तक पुलिस ने शिकायत नहीं सुनी। दारोगा और कांस्टेबल ने ग्रामीणों से से कहा कि वे खुद ही उसका इलाज और मेडिकल कराकर लाएं, तब कार्रवाई की जाएगी। घटना बाहर गांव के नेवादा में बुधवार रात में हुई। पीड़ित की पहचान उत्तम कुमार के रूप में हुई। उत्तम कुमार का आरोप है कि जमीन के विवाद में उसकी मां रामादेवी और बड़ी बहन प्रियंका शर्मा ने दो अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उस पर जानेलवा हमला किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हों अधिकतर बैठकें, अनावश्यक यात्रा कम करने की पहल

ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण पर जोर : योगेंद्र

बैठक में प्रमुख सचिव एम.पी. अग्रवाल और सचिव अमृत त्रिपाठी के अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा निदेशालय से जुड़े 100 से अधिक अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दुनिया में चल रहे युद्धों से उत्पन्न वैश्विक संकट के दृष्टिगत देश और देशवासियों के हित में किए गये आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने गुरुवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन की बचत करने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत बनाने की अपील तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हुए कार्यालय आएं और जाएं, जिससे ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान सुनिश्चित हो सके। उच्च शिक्षा मंत्री ने विभागीय कार्यप्रणाली में भी बदलाव लाने पर बल देते हुए निर्देशित किया कि अधिकतम बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएं, जिससे अनावश्यक यात्रा कम हो और समय एवं संसाधनों की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी कुलपतियों, निदेशालय अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को अपने-अपने संस्थानों में प्रभावी ढंग से लागू करें तथा छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को भी इसमें सहभागी बनाएं।

विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण समृद्धि, रोजगार सृजन और पारदर्शी विकास का मजबूत आधार

वीबी- जीरामजी मे स्थायी निर्माण कार्यों से बढ़ेंगे रोजगार : केशव प्रसाद मौर्य

- ग्रामीण विकास को नई गति देगी विकसित भारत-जी राम जी योजना - केशव प्रसाद मौर्य
- मनरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में सोशल ऑडिट व लोकपाल की अहम भूमिका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि "विकसित भारत-जी राम जी" ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी । यह योजना गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा मे अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने बताया कि वीबी- जीरामजी के अंतर्गत तालाब, सड़क, गोदाम, जल संरक्षण एवं अन्य स्थायी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन विकास कार्यों के माध्यम से गांवों में टिकाऊ एवं उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे ग्रामीण समुदायों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि स्थायी निर्माण कार्यों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा कृषि, भंडारण, जल संरक्षण और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे गांवों की स्थानीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और आत्मनिर्भर एवं विकसित ग्रामीण भारत के निर्माण को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि "विकसित भारत-जी राम जी" रोजगार सृजन, आधारभूत विकास और ग्रामीण समृद्धि का मजबूत आधार बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि यदि योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनियमितता, शिकायत अथवा समस्या सामने आती है, तो संबंधित व्यक्ति लोकपाल के समक्ष अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। यह व्यवस्था ग्रामीण विकास योजनाओं को अधिक निष्पक्ष, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जनभागीदारी एवं पारदर्शिता से ही सशक्त और विकसित ग्रामीण भारत का निर्माण संभव है।

सोशल ऑडिट एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल ऑडिट एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके माध्यम से विकास कार्यों, योजनाओं तथा सार्वजनिक धन के उपयोग की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाती है, ताकि प्रत्येक नागरिक विकास प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सके। उन्होंने कहा कि सोशल ऑडिट से यह सुनिश्चित होता है कि गांवों में संचालित विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं जनहित में प्रभावी ढंग से पूरे किए जा रहे हैं। साथ ही, यह प्रक्रिया ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा सुझाव देने का अवसर भी प्रदान करती है।

जनपद में लोकपाल नियुक्त किए गए

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनहित सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक जनपद में लोकपाल नियुक्त किए गए हैं। लोकपाल को योजना से संबंधित शिकायतों की जांच करने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की संस्तुति करने के अधिकार प्रदान किए गए हैं।

'उत्तर प्रदेश के 9 वर्षों का कार्यकाल ऐतिहासिक'

विकास और जनकल्याण को मिली नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज लखनऊ स्थित होटल ताज में आयोजित The Times of India Conclave – Defining 9 Years of Transformation: From Progress to Prosperity - Uttar Pradesh Leads Ahead में प्रतिभाग करते हुए उत्तर प्रदेश में बीते नौ वर्षों में हुए व्यापक परिवर्तन, आधारभूत विकास, सुशासन, निवेश एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष सेवा, सुशासन एवं विकास के लिए समर्पित रहे हैं। प्रदेश सरकार ने जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के उत्थान हेतु अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज निवेश, आधारभूत संरचना, एक्सप्रेस-वे, कनेक्टिविटी, उद्योग, शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम : मंत्री कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में अभियान को मिली गति

प्रदेशभर में लागू 'एआई फॉर ऑल' पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डिजिटल भारत के सशक्त निर्माण एवं युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 'AI for All' पहल को प्रदेशभर में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के नागरिकों को निःशुल्क ऑनलाइन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन इस पहल को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों को निर्देशित किया गया है कि वे अधिकतम पंजीकरण सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 13 अप्रैल 2026 को मुजफ्फरनगर में आयोजित वृहद रोजगार मेले के दौरान किया गया था। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा वैश्विक आईटी संस्था ओरेकल University के सहयोग से संचालित यह कार्यक्रम युवाओं, विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों एवं आम नागरिकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत 'AI for You: ट्रेनिंग एंड असेसमेंट' नामक कोर्स लगभग 3 घंटे की अवधि का है, जिसे पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

तेजी से रोजगार और उद्योगों का स्वरूप बदल रहा

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से रोजगार और उद्योगों का स्वरूप बदल रहा है। ऐसे में प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक युवा इस आधुनिक तकनीक का ज्ञान प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और रोजगार के नए अवसरों को हासिल करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि गांव, कस्बों और शहरी क्षेत्रों के अधिकाधिक युवा इस निःशुल्क प्रशिक्षण से जुड़ सकें।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब 5 डेज वर्किंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की वर्किंग में बड़ा बदलाव किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऊर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए अब हफ्ते में 5-दिन वर्किंग के निर्देश दिए गए हैं। अब सोमवार से शुक्रवार तक विश्वविद्यालय के सभी विभाग खुलेंगे।

कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय और शैक्षणिक विभाग सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। जारी आदेश में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण संबंधी संदेश के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक भोजनावकाश भी निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि सक्षम स्तर से अनुमोदन मिलने के बाद आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

ई-रिक्शा से दफ्तर पहुंचे उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के अनुपालन में शुरू की पहल, सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने का आह्वान

लखनऊ। दिनेश प्रताप सिंह ने ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई पहल की। इसके तहत मंत्री अपने 19, गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास से उद्यान निदेशालय तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट यानी ई-रिक्शा से पहुंचे।

यह पहल योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में की गई। मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर की गई अपील को जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ईंधन की बचत करना, प्रदूषण कम करना और लोगों को सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए प्रेरित करना है। मंत्री के अनुसार यदि लोग सप्ताह में कुछ दिन भी निजी वाहनों की बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें तो इससे ईंधन की खपत कम होगी और शहरों में ट्रैफिक का दबाव भी घटेगा। उद्यान मंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करें और अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन अपनाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, ईंधन और ऊर्जा बचत केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं, नागरिकों तथा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से भी सार्वजनिक परिवहन को अपनाने का आह्वान किया। इसी क्रम में आज उद्यान विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभाग में ईंधन एवं ऊर्जा बचत को लेकर लक्ष्य तय किए गए। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' के रूप में मनाएं।

हीटवेव से निपटने की तैयारी तेज

अलर्ट

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। भीषण गर्मी और संभावित लू-प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने हीटवेव प्रबंधन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में लू से बचाव, राहत कार्यों और विभागीय तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, पंचायती राज, पशुपालन, नगर निकाय, श्रम, जल निगम, विद्युत, शिक्षा, परिवहन, वन, सूचना, अग्निशमन और कृषि विभाग सहित अन्य विभागों से तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें और हीटवेव से जनहानि रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। जिलाधिकारी ने आमजन से लू से बचाव संबंधी एडवाइजरी का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय टोपी, छाता और पानी का इस्तेमाल करें। बाहर जाते समय पानी साथ रखें और ओआरएस, नींबू पानी, छाछ और लस्सी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करें। उन्होंने बताया कि चक्कर आना, कमजोरी, सिरदर्द, अधिक पसीना आना और बेहोशी जैसे लक्षण हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

पेयजल, दवाइयों और जनजागरूकता अभियान पर विशेष जोर

स्वास्थ्य विभाग को दिए विशेष निर्देश

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों, ओआरएस और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हीट स्ट्रोक के मामलों से निपटने के लिए चिकित्सा सुविधाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने को कहा गया।

> वहीं नगर निकायों और पंचायत विभाग को सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल और छायादार स्थानों की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। श्रमिकों और खुले में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष सावधानी बरतने को कहा गया।

गांव से शहर तक चलेगा जागरूकता अभियान

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि लू से बचाव के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। "क्या करें और क्या न करें" संबंधी जानकारी गांवों, कस्बों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया जाए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

पद मार्च निकालकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। समाजवादी पार्टी के एक सांसद द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में विरोध की तख्तियां लेकर पद मार्च निकाला और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने टिप्पणी के खिलाफ नाराजगी जताई। पद मार्च भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन से शुरू हुआ। इसके बाद कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल राजनीतिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और अभद्र भाषा स्वीकार नहीं की जा सकती।

भाजपा कार्यालय में हुई कोर कमेटी की बैठक

प्रदर्शन के बाद भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में जिला कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। शासन द्वारा नामित पदों पर नियुक्तियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति पर चर्चा की।

फास्ट न्यूज

तहसील परिसर में शीतल पेयजल की व्यवस्था

अंबेडकरनगर। भीषण गर्मी को देखते हुए अकबरपुर तहसील प्रशासन ने तहसील परिसर में आगंतुकों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था की है। तहसील में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए फिल्टर युक्त ठंडे पानी के बड़े गैलन परिसर में रखवाए गए हैं। तहसील में रोजाना ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग सरकारी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। सुबह से शाम तक फरियादियों और आमजन का आवागमन बना रहता है।

एसपी कार्यालय में हुई जनसुनवाई लोगों की समस्याएं सुन अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के सामने रखीं। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक मामले, मारपीट, उत्पीड़न और अन्य मामलों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मामलों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

महिला थाना में काउंसलिंग से सुलझे पांच पारिवारिक विवाद

अम्बेडकरनगर। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना में बुधवार को प्राप्त पांच प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई और काउंसलिंग की गई। महिला थाना पुलिस ने दोनों पक्षों और उनके परिजनों को बुलाकर पारिवारिक विवादों पर विस्तार से बातचीत की। काउंसलिंग के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी मनमुटाव और घरेलू विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किया गया।

जौनपुर नॉन-इंटरलॉकिंग का अकबरपुर पर सीधा असर

दिन में ट्रेन संचालन ठप, यात्रियों की आवाजाही प्रभावित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जौनपुर जंक्शन पर चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य का सीधा असर अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर देखने को मिल रहा है। सुरक्षा और रेल संचालन सुधार के लिए किए जा रहे इस कार्य के कारण बाराबंकी-जाफराबाद रेल खंड पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है।

अकबरपुर स्टेशन पर दिन के समय ट्रेनों का संचालन लगभग बंद कर दिया गया है। इससे सुबह और दोपहर के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों की यात्रा व्यवस्था प्रभावित हुई है।

वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस (अप-डाउन) को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा 13 अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग 27 मई तक परिवर्तित रहेगा। कई ट्रेनें अब सुलतानपुर और वाराणसी रूट से संचालित की जा रही हैं, जिससे अकबरपुर स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या में कमी आई है।

मार्ग परिवर्तन के कारण यात्रियों को वैकल्पिक रूट से यात्रा करनी पड़ रही है। इससे यात्रा का समय बढ़ गया है और कई मामलों में अतिरिक्त खर्च भी सामने आ रहा है। नियमित यात्रियों को समय प्रबंधन में भी कठिनाई हो रही है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार रात के समय कुछ ट्रेनें निर्धारित समय पर संचालित हो रही हैं, जिससे आंशिक राहत मिल रही है। हालांकि दिन में संचालन प्रभावित रहने से स्टेशन पर सामान्य यात्री गतिविधियां कम हो गई हैं।

बोगस फर्म से 1.37 करोड़ की आईटीसी धोखाधड़ी में दो अरेस्ट

जालंधर के आरोपियों को पूछताछ के बाद भेजा गया जेल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बोगस फर्म बनाकर करीब 1 करोड़ 37 लाख 32 हजार 775 रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में जालंधर के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामला राज्य कर विभाग की जांच के दौरान सामने आया था। प्रयागराज की फर्म एके इंटरप्राइजेज का मुख्य व्यापार स्थल अंबेडकरनगर में दिखाया गया था। जांच में फर्म से जुड़े दस्तावेजों और लेनदेन में अनियमितताएं पाई गईं।

विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि सिंह इंटरप्राइजेज और शमा इंटरप्राइजेज ने आरएम ट्रेडिंग कंपनी के प्रोपराइटर रोहित बठाला और श्रीराधे कृष्ण एंड कंपनी के प्रोपराइटर ईशान के साथ मिलकर लेनदेन किया। इन सभी के बीच 240 इनवॉइस के माध्यम से फर्जी तरीके से लगभग 1.37 करोड़ रुपये का आईटीसी लाभ लिया गया। यह पूरा नेटवर्क बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के टैक्स क्रेडिट ट्रांसफर करने में शामिल पाया गया। मामले की जांच कर रहे निरीक्षक कृष्णबली सिंह ने जालंधर के सूर्या एन्क्लेव निवासी ईशान और एनई-28 किला मुहल्ला निवासी रोहित बठाला को पूछताछ के लिए बुलाया था।

जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा

जीएसटी पोर्टल की जांच में पाया गया कि प्रयागराज के भारती भवन रोड स्थित फर्म के मालिक अजय कुमार ने बिना वास्तविक खरीद के पंजीयन प्राप्त किया था। पंजीयन के लिए लगाया गया बिजली बिल भी कूटरचित पाया गया। इसके बाद विभाग ने फर्म का पंजीयन निरस्त कर दिया। जांच में यह भी सामने आया कि बिना वास्तविक व्यापार के आईटीसी का लाभ लेकर राजस्व को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई।

सीबीएसई इंटर परीक्षा में न्यू लाइट एकेडमी का शानदार प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

हजपुरा, अम्बेडकरनगर। सीबीएसई इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में न्यू लाइट एकेडमी, सिकंदरपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा स्थान हासिल किया। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा।

विद्यालय के कई छात्र-छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर बेहतर प्रदर्शन किया। स्कूल प्रबंधन ने इसे संस्थान के अब तक के श्रेष्ठ परिणामों में शामिल बताया है। परीक्षा परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। विद्यालय की छात्रा श्रेया वर्मा ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं सौम्या यादव ने 94.4 प्रतिशत और अनन्या यादव ने 91.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके अलावा प्रिंस गुप्ता और वंदना वर्मा ने 85.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

■ लक्ष्मी गुप्ता ने 97.6 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में पाया दूसरा स्थान

अता अब्बास रिजवी ने 84.8 प्रतिशत, अंशिका यादव ने 84 प्रतिशत, आदित्य यादव और तनु गुप्ता ने 83.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं अलका चौधरी और हर्षित सिंह ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय के प्रबंधक दिनेश प्रताप सिंह और प्रधानाचार्य उर्मिला सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता मिली है।

सुबह 9 से 10 बजे तक एक साथ आयोजित होगी 'ग्रीन चौपाल'

899 ग्राम पंचायतों में गूंजेगा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद की सभी 899 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को लेकर "ग्रीन चौपाल" आयोजित की जाएगी। शासन के निर्देश पर होने वाले इस अभियान में पांचों तहसीलों और नौ विकास खंडों की ग्राम पंचायतें एक साथ शामिल होंगी। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 10 बजे तक आयोजित होगा।

प्रशासन के अनुसार यह अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव, स्वच्छता और सतत विकास से जुड़े विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम जनभागीदारी आधारित होगा।

ग्रीन चौपाल के दौरान आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायतवार वृक्षारोपण की कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य आगामी वृहद वृक्षारोपण अभियान को प्रभावी बनाना है। इसके लिए पंचायत स्तर पर पौधरोपण स्थलों का चयन और संरक्षण की रणनीति बनाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ आयोजित होने वाला यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि अधिक पौधरोपण कर परिवार कार्बन क्रेडिट फाइनेंस योजना के संभावित लाभों से भी जुड़ सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल और कानूनगो की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं।

जनसहभागिता पर रहेगा जोर

प्रशासन ने सभी ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं और कार्यक्रम को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए।

वृक्षारोपण से होगी कार्यक्रम की शुरुआत

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रीन चौपाल का शुभारंभ वृक्षारोपण के साथ किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों को अपने घरों और आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रत्येक परिवार से पांच-पांच पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल का आह्वान किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वर्षा जल संचयन, सूखे और गीले कचरे का अलग-अलग प्रबंधन, गो-संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही पेट्रोल और डीजल की बचत तथा ग्रीन परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया जाएगा।

थाना कटका में एसपी ने की विवेचनाओं की समीक्षा

लंबित मामलों के जल्द निस्तारण के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर।पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बुधवार को थाना कटका का निरीक्षण कर विवेचनाओं की समीक्षा की। इस दौरान थाना क्षेत्र में दर्ज मामलों की प्रगति और लंबित विवेचनाओं की स्थिति की जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षक ने थाना के सभी विवेचकों का ओ.आर. करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित मामलों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं में अनावश्यक देरी न हो और प्रत्येक मामले की जांच निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर पूरी की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने विवेचकों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों में साक्ष्यों का सही संकलन किया जाए और पीड़ित पक्ष को समय पर न्याय दिलाने के लिए गंभीरता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ विवेचनाओं का समय से निस्तारण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने थाना स्तर पर दर्ज मामलों की नियमित समीक्षा करने और संवेदनशील मामलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए। विवेचकों से कहा गया कि जांच प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बनाए रखें और प्रत्येक प्रकरण में कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान थाना की कार्यप्रणाली और अभिलेखों की स्थिति की भी जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और थाना आने वाले लोगों के साथ बेहतर व्यवहार किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए टीमवर्क के साथ कार्य करने पर जोर दिया।समीक्षा बैठक के दौरान थाना पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मासिक धर्म स्वच्छता पर छात्राओं को किया जागरूक

परस कटुई विद्यालय में ऑनलाइन सत्र आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय, परस कटुई में छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर ऑनलाइन जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारती अप्रोचिंग टुमॉरो फाउंडेशन की ओर से किया गया।

सत्र में फाउंडेशन की निदेशक वसुंधरा कुमारी और प्रोग्राम हेड अदिति आनंद ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही जानकारी और साफ-सफाई अपनाकर कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने खुलकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं। वक्ताओं ने सरल भाषा में उनके सवालों के जवाब दिए और नियमित स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस सत्र में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाध्यापिका ईश्वरावती वर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाते हैं। सहायक अध्यापक श्याम सिंगार यादव ने कहा कि किशोरियों को सही समय पर सही जानकारी मिलना बेहद जरूरी है, जिससे वे जागरूक और स्वस्थ रह सकें।

स्वीकृति : 1.20 करोड़ की लागत से 600 मीटर नाला निर्माण कार्य प्रारंभ

जल निकासी समस्या का समाधान शुरू

जलभराव

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के बसखारी कस्बे में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में काम शुरू हो गया है। नगर विकास विभाग ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से नाला निर्माण को स्वीकृति दी है।

इसके तहत कस्बे के मुख्य बाजार में पश्चिमी चौराहे से सड़क के दोनों ओर 600 मीटर लंबा नाला निर्माण कार्य शुरू किया गया है। लंबे समय से बारिश के दौरान बाजार क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनी रहती थी, जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नगर पंचायत प्रशासन का कहना है कि कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी संजय जैसवार ने बताया कि प्रस्ताव भेजे जाने के बाद नगर विकास विभाग ने योजना को मंजूरी दी थी। अब निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि नाला निर्माण से बाजार क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय लोगों को हर साल होने वाली परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

> परियोजना के तहत पश्चिमी चौराहे से दोनों पटरियों के किनारे नाला निर्माण किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह नाला जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करेगा और बाजार क्षेत्र में पानी भरने की समस्या को काफी हद तक खत्म करेगा।

बारिश में जलभराव से परेशान थे लोग

स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के समय पानी दुकानों और घरों में घुस जाता था। इससे व्यापारिक गतिविधियों पर भी असर पड़ता था। कई बार बाजार क्षेत्र में आवाजाही भी बाधित हो जाती थी।

नाला निर्माण शुरू होने के बाद लोगों में राहत की उम्मीद जगी है। स्थानीय निवासियों ने इस कार्य का स्वागत किया है और इसे लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान बताया है।

प्रेम प्रसंग में टकराव के बाद हाई-वोल्टेज ड्रामा

फिल्मी अंदाज में बिजली के खंभे पर चढ़ी युवती

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के भुवनपुर गांव में प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला उस समय हाई-वोल्टेज ड्रामा में बदल गया, जब एक युवती नाराज होकर बिजली के खंभे पर चढ़ गई। अचानक हुई इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार युवती का एक युवक से प्रेम संबंध बताया जा रहा है। दोनों के बीच शादी को लेकर सहमति बनी थी, लेकिन बाद में किसी कारण से दूरी और तनाव की स्थिति बन गई। इसी बात से आहत होकर युवती ने भावनात्मक प्रतिक्रिया में यह कदम उठा लिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार युवती लगातार अपने प्रेमी से बात कराने की जिद पर अड़ी रही। गुस्से और भावनात्मक तनाव में वह गांव में लगे बिजली के खंभे पर चढ़ गई और नीचे उतरने से इनकार कर दिया। इस दौरान लोगों ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो तेजी से वायरल हो गया।

सूचना मिलते ही सीओ सदर नीतिश तिवारी, तहसीलदार और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पहले भीड़ को नियंत्रित किया और फिर युवती को शांत कराने की कोशिश शुरू की।

पुलिस ने काफी देर तक बातचीत और समझाने का प्रयास किया।

सम्पादकीय

फिजूलखर्ची की संस्कृति

यह अच्छा है कि प्रधानमंत्री ने अपनी कारों के काफिले में कटौती कर इसका उदाहरण पेश किया कि वे जो कुछ औरों को करने के लिए कह रहे हैं, उस पर स्वयं अमल कर रहे हैं। उनकी ओर से अपनी कारों के काफिले को छोटा किए जाने के बाद कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने भी ऐसा ही किया है। आशा है कि भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री एवं मंत्री भी इसका अनुसरण करेंगे, लेकिन ऐसा ही गैर-भाजपा शासित राज्यों में भी दिखना चाहिए। इसी के साथ ही सांसदों, विधायकों, अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नौकरशाहों को भी ऐसा ही करना चाहिए। किफायत का परिचय देना किसी सरकार या दल विशेष का विषय नहीं। यह एक राष्ट्रीय आवश्यकता है और केवल वर्तमान की ही नहीं। चूंकि हम एक विकासशील देश हैं, इसलिए मितव्ययिता का परिचय तो सदैव ही दिया जाना चाहिए और सबसे अधिक नेताओं और नौकरशाहों की ओर से दिया जाना चाहिए, क्योंकि उनके बीच किफायत की जगह फिजूलखर्ची की संस्कृति ने जड़ें जमा ली हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि जो जितने लंबे काफिले से चलता है, वह उतना ही धमक-हनक वाला माना जाता है। दिखावे वाली इस मानसिकता से मुक्ति पाने की सख्त जरूरत है। आज यदि ऊर्जा संकट के चलते मंत्रीगण दो-तीन कारों के साथ चलने को उपयुक्त समझने लगे हैं, तो इसके पहले वे इसकी जरूरत क्यों नहीं समझ रहे थे? आखिर ऐसा तो है नहीं कि ऊर्जा संकट के पहले पेट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन देश में ही हो रहा था या फिर उनका आयात बहुत सस्ता था। सरकारी तंत्र को तो इससे कहीं अच्छे से अवगत होना चाहिए कि विदेशी मुद्रा की सबसे अधिक खपत पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में ही होती है। सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों की खपत में कमी लाने के साथ विदेशी मुद्रा बचाने वाले अन्य दीर्घकालिक उपायों पर भी ध्यान देना होगा। विदेशी मुद्रा की एक बड़ी खपत पर्यटन के लिए विदेश यात्राओं के चलते होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि देश में वैसे पर्यटन स्थल और पर्यटकों के अनुकूल माहौल विकसित नहीं हो पाया है, जैसा मालदीव, थाईलैंड और श्रीलंका जैसे देशों ने विकसित कर लिया है। यह तब है, जब भारत पर्यटन स्थलों की दृष्टि से कहीं अधिक समृद्ध है। इसके बाद भी स्थिति यह है कि अब लोग शादियां, पार्टियां आदि करने के लिए भी विदेश जाने लगे हैं। विदेशी मुद्रा की एक बड़ी खपत विदेश पढ़ने वाले जाने वाले छात्रों के कारण भी होती है। हमारे छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने इसलिए जाते हैं, क्योंकि देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र विकसित नहीं हो पा रहे हैं। अच्छा हो कि सामान्य दिनों में भी फिजूलखर्ची पर लगाम लगाने एवं विदेशी मुद्रा बचाने की संस्कृति विकसित की जाए।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे। यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े।

संयम और स्वदेशी ही है भारत का सनातन आर्थिक मंत्र और यंत्र

> भारत अपने कुल पेट्रोलियम उपभोग का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ते ही भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, रुपया दबाव में आता है और महंगाई भी बढ़ती है।

ईरान अमेरिका इजराइल द्वारा शुरू किये गए युद्ध, होर्मुज स्ट्रेट में डबल नाकाबंदी और उससे उपजे वैश्विक मंदी और इकोनॉमिक्स के मेटा इफ़ेक्ट के कारण दुनिया के हालात संकट में हैं. इन संकटों के बीच भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शूरू किये गए आर्थिक राष्ट्रवाद, आत्मनिर्भरता और जिम्मेदार उपभोग केवल नारे नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुके हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से सोना खरीदने में संयम बरतने, पेट्रोलियम उत्पादों के उपयोग को कम करने, स्वदेशी को बढ़ावा देने और अनावश्यक आयात पर निर्भरता घटाने की जो अपील की गई, वह केवल एक सामान्य आर्थिक सलाह नहीं है बल्कि एक कुटुंब प्रबोधन की तरह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा, विदेशी मुद्रा संतुलन और आत्मनिर्भर विकास मॉडल का महत्वपूर्ण संकेत आवाहन था। हालांकि जनमानस में यह प्रश्न दौड़ रहा है कि होर्मुज की नाकाबंदी अगर मार्च में ही शूरू हुई थी तो इसका आवाहन इतना देर से क्यों और बीते २ माह में सरकार ने इससे लड़ने के लिए कौन सी नीतियां बनाई क्या तैयारियां कीं ? बंगाल और आसाम चुनाव की शोर में कहीं इस संकट की आहट सुनने में विलम्ब तो नहीं हुआ? फिर भी देर आये दुरुस्त आये की तर्ज पर हमें इस आवाहन को गंभीरता से लेना चाहिए।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन इसके बावजूद हमारी कई बुनियादी जरूरतें अभी भी आयात पर आधारित हैं। विशेष रूप से कच्चा तेल, खाद्य तेल और सोना ये तीन ऐसे क्षेत्र हैं जो भारत के आयात बिल पर भारी दबाव डालते हैं। ऊर्जा के मामले में तो हम लगभग ८५ फीसदी दूसरों पर निर्भर है और इस समय ऊर्जा का ही सप्लाई चेन संकट में आ गया है. यदि देश को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है तो केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; उपभोग की संस्कृति और आर्थिक व्यवहार में भी परिवर्तन लाना पड़ेगा।

जैसे भारत में सोना केवल धातु नहीं बल्कि परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। विवाह, त्योहार और पारिवारिक निवेश का बड़ा हिस्सा सोने में जाता है लेकिन आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है क्या अत्यधिक सोना खरीदना राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी है? मेरे विचार से यदि सोना अर्थव्यवस्था में सक्रिय रूप से उपयोग नहीं हो रहा, उत्पादन या व्यापार में नहीं लग रहा, बैंकिंग प्रणाली में नहीं आ रहा और केवल लॉकरों में बंद पड़ा है तो वह एक प्रकार का "मृत निवेश" बन जाता है क्योंकि वह पूंजी अर्थव्यवस्था में गति नहीं पैदा करती। जब कोई व्यक्ति सोना खरीदता है, तो उसका बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से विदेशों से आता है। इसका अर्थ है कि देश की विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। दूसरी ओर यदि वही पैसा उद्योग, स्टार्टअप, शेयर बाजार, कृषि प्रसंस्करण, विनिर्माण या इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश हो, तो वह रोजगार पैदा करता है, उत्पादन बढ़ाता है और कर राजस्व भी उत्पन्न करता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अत्यधिक निष्क्रिय सोना भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता को सीमित करता है। इसलिए सरकार द्वारा गोल्ड बॉन्ड, डिजिटल गोल्ड और गोल्ड मोनेटाइजेशन जैसी योजनाएँ लाने का उद्देश्य भी यही है कि सोना आर्थिक परिसंचरण में आए और जब संकट का समय हो तो आभूषण से ज्यादा यह चीज मायने रखती है कि हम सेविंग और उत्पादकीय निवेश बढ़ाएं, सोने का वह हिस्सा जो सिर्फ आभूषण के लिए है उसे कुछ दिनों तक टाला जा सकता है. हालांकि सोने के कारीगरों का क्या होगा, यह भी एक चिंता खड़ी है. पेट्रोल-डीजल केवल वाहन चलाने तक सीमित नहीं हैं; परिवहन महंगा होने से खाद्यान्न, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएँ भी महंगी हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री की यह अपील कि देशवासी पेट्रोलियम उत्पादों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी है। यह केवल ईंधन बचाने का प्रश्न नहीं बल्कि आर्थिक संप्रभुता का विषय भी है।

यदि प्रत्येक परिवार छोटी-छोटी आदतें बदल दे जैसे अनावश्यक वाहन उपयोग कम करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, कार पूल करना, इलेक्ट्रिक वाहन की ओर बढ़ना, स्थानीय वस्तुओं का उपयोग करना तो इसका सामूहिक प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। मान लीजिए देश के करोड़ों परिवार यदि प्रतिदिन थोड़ी मात्रा में ईंधन बचाएँ, तो सालाना अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। यही धन देश के इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा क्षेत्र में लगाया जा सकता है।

भारत में लंबे समय तक उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा विदेशी ब्रांडों और आयातित वस्तुओं की ओर झुकता गया लेकिन अब विश्व व्यवस्था बदल रही है। अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष, वैश्विक सप्लाई चेन संकट और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी देश के लिए अत्यधिक आयात निर्भरता खतरनाक हो सकती है। ऐसे समय में "स्वदेशी" का अर्थ केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद नहीं बल्कि रणनीतिक आर्थिक सुरक्षा होनी चाहिए।

जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो केवल वस्तु नहीं खरीदते; हम किसी भारतीय किसान, छोटे उद्योग, मजदूर, ट्रांसपोर्टर और व्यापारी की आय को मजबूत करते हैं। स्थानीय उत्पादन बढ़ने से रोजगार बढ़ता है और आर्थिक शक्ति देश के भीतर घूमती रहती है। यदि भारतीय उपभोक्ता स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे, तभी भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो पाएँगे।

वैसे भी भारतीय सभ्यता का मूल दर्शन अनियंत्रित उपभोग नहीं बल्कि संतुलित जीवन रहा है। पश्चिमी मॉडल में अत्यधिक उपभोग को आर्थिक विकास का आधार माना गया, लेकिन भारतीय चिंतन हमेशा "जरूरत आधारित जीवन" पर बल देता रहा। आज पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों की सीमाएँ यह सिद्ध कर रही हैं कि असीमित उपभोग का मॉडल टिकाऊ नहीं है। यदि भारत अपनी पारंपरिक मितव्ययिता और आधुनिक आर्थिक रणनीति को जोड़ दे, तो वह दुनिया को एक वैकल्पिक विकास मॉडल दे सकता है ऐसा मॉडल जिसमें विकास हो लेकिन संसाधनों का संतुलित उपयोग भी हो। कोरोना काल में भी हमने देखा कि अनावश्यक खर्च कम होने पर परिवारों की बचत बढ़ी।

- पंकज जायसवाल

नीट को भी दो चरणों में...

राजेश जैन

नीट पेपर लीक: अब फैसला करना होगा पुरानी व्यवस्था बचानी या भविष्य बनाना है

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2026 का रद्द होना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं था। यह उस भरोसे का टूटना था, जिसके सहारे 22 लाख से ज्यादा विद्यार्थी अपने भविष्य का सपना देखते हैं। किसी छात्र ने दो साल तक मोबाइल से दूरी बनाई, किसी ने गांव छोड़कर शहर में कमरा लिया, किसी परिवार ने जमीन बेचकर कोचिंग फीस भरी। लेकिन कुछ लोगों के लालच और सिस्टम की कमजोरियों ने लाखों मेहनती विद्यार्थियों को अचानक अनिश्चितता के बीच खड़ा कर दिया। इस पूरे मामले ने देश के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है-क्या भारत की परीक्षा व्यवस्था अब पुराने ढांचे पर चल सकती है? या फिर समय आ गया है कि इसे पूरी तरह नए तरीके से तैयार किया जाए?

आज सबसे बड़ी चिंता केवल पेपर लीक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन में पैदा हो रहा अविश्वास है। मेहनत करने वाला छात्र यदि यह महसूस करने लगे कि सिस्टम सुरक्षित नहीं है, तो यह केवल परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के नैतिक आधार का संकट बन जाता है।

इस बार की जांच में जो जानकारियां सामने आईं, उन्होंने यह साफ कर दिया कि पेपर लीक अब किसी एक सेंटर या छोटे गिरोह तक सीमित नहीं है। देहरादून, सीकर, जयपुर, गुरुग्राम और कई अन्य

शहरों से जुड़े नेटवर्क यह संकेत देते हैं कि यह अब एक संगठित माफिया तंत्र का रूप ले चुका है। सबसे गंभीर बात यह है कि अब यह नेटवर्क नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहा है। एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप, क्लोज्ड ग्रुप्स और डिजिटल पेमेंट सिस्टम जांच एजेंसियों के लिए भी चुनौती बन चुके हैं। यही वजह है कि अब केवल एफआईआर दर्ज करना या कुछ गिरफ्तारियां कर लेना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता। जरूरत पूरी परीक्षा व्यवस्था को नए सिरे से डिजाइन करने की है।

नीट दुनिया की सबसे बड़ी ऑफलाइन परीक्षाओं में गिनी जाती है। करीब 22 लाख विद्यार्थी, हजारों परीक्षा केंद्र और लाखों ओएमआर शीट्स। इतनी विशाल प्रक्रिया में प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस से लेकर सेंटर तक पहुंचने तक दर्जनों हाथों से गुजरता है। यही इसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। वर्तमान मॉडल पूरी तरह फिजिकल सिक्योरिटी पर आधारित है, जबकि अपराधी नेटवर्क अब डिजिटल और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं। यह असंतुलन ही लगातार खतरा पैदा कर रहा है। इसके विपरीत जेईई मेन जैसी परीक्षाएं कंप्यूटर आधारित टेस्ट यानी सीबीटी मोड में होती हैं। वहां प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने के बाद स्क्रीन पर दिखाई देता है। अलग-अलग सेट और एल्गोरिदमिक प्रश्न वितरण के कारण पेपर लीक की संभावना बेहद कम हो जाती है। यही कारण है कि शिक्षा विशेषज्ञ लगातार यह कह रहे हैं कि अब नीट जैसी परीक्षा को भी धीरे-धीरे तकनीक आधारित मॉडल की ओर ले जाना होगा।

यह सवाल अक्सर पूछा जाता है कि क्या भारत जैसे विशाल देश में इतनी बड़ी परीक्षा ऑनलाइन कराना संभव है? जवाब है-संभव है, लेकिन चरणबद्ध तरीके से। कोविड के बाद भारत ने तेजी से डिजिटल बदलाव देखा है। बैंकिंग, सरकारी सेवाएं, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल भुगतान गांवों तक पहुंच चुके हैं। जेईई मेन, सीयूएटी और कई बैंकिंग परीक्षाएं पहले से कंप्यूटर आधारित मोड में सफलतापूर्वक आयोजित हो रही हैं।

नीट को भी दो चरणों में आयोजित किया जा सकता है। पहले चरण में बड़े शहरों और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर वाले क्षेत्रों में सीबीटी मोड लागू किया जाए। जहां सुविधाएं सीमित हैं, वहां कुछ समय तक हाइब्रिड मॉडल रखा जा सकता है। दूसरे चरण में मल्टी-सेशन ऑनलाइन परीक्षा शुरू की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने से पहले किसी के पास नहीं पहुंचेगा। यही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच बन सकता है।

सिर्फ परीक्षा को ऑनलाइन कर देना पर्याप्त नहीं होगा। यदि व्यवस्था को वास्तव में सुरक्षित बनाना है, तो सुरक्षा की पूरी सोच बदलनी होगी।

सबसे पहले प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण प्रक्रिया को जीरो ह्यूमन एक्सेस मॉडल की ओर ले जाना होगा। यानी पेपर तैयार होने के बाद किसी व्यक्ति के पास उसकी पूरी कॉपी न हो। एआई आधारित एन्क्रिप्शन और डिजिटल लॉकिंग सिस्टम अपनाने होंगे।

दूसरा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी को औपचारिकता नहीं, वास्तविक सुरक्षा व्यवस्था बनाना होगा।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैंए उनका असर हर घर की रसोईए हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल.डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईंए पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगींए महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल.पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रहीए करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहेए गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीतिए ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थीए तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया थाए वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठायाए ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थालीए रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहींए बल्कि संवेदनशील शासनए दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही कियाए लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल.डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआए जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई हैए जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया हैए जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1ए000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68ए000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिएए यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होतीघ् रसोई गैस महंगी होतीए परिवहन लागत बढ़तीए महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

जरा हटके

यह योजना गाँवों से...

डा0 मनोज चन्द्रा

कृषि उद्यमिता और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया अध्याय है एग्रीजंक्शन योजना

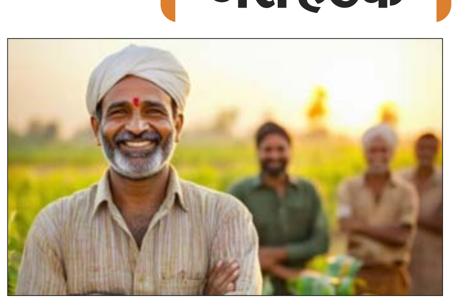

उत्तर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देने और ग्रामीण अंचल के शिक्षित युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना (एग्रीजंक्शन) एक युगांतरकारी पहल सिद्ध हो रही है। यह योजना केवल सरकारी अनुदान का माध्यम नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास और आधुनिक मेधा को जोड़ने वाला एक जीवंत सेतु है। वर्तमान परिदृश्य में, जहाँ पारंपरिक खेती कई चुनौतियो से जूझ रही है, वहीं एग्रीजंक्शन जैसी पहल एक नई रोशनी बनकर उभरी है, जो कृषि को लाभप्रद व्यवसाय मे बदलने का सामर्थ्य रखती है। कृषि उद्यमिता की नई नींव और भविष्य की संभावनाएं एग्रीजंक्शन योजना का मुख्य दर्शन ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादकता को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से बढ़ाना है। यह योजना कृषि स्नातको को केवल डिग्री धारक से बदलकर एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसानों के लिए एक वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करती है। यहाँ मिट्टी की सेहत की जांच से लेकर तकनीकी परामर्श और उच्च गुणवत्ता वाले खाद-बीज एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो जाते है । भविष्य की दृष्टि से देखें तो यह मॉडल खेती के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को डिजिटल और आधुनिक बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। इससे न केवल खेती की लागत में कमी आ रही है, बल्कि मा0 प्रधानमंत्री जी के किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को भी प्रबल गति मिल रही है। यह योजना गाँवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने और युवाओं को अपनी माटी में ही सम्मानजनक आजीविका प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। एग्रीजंक्शन स्वरूप, कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना उत्तर प्रदेश के कृषि विभाग की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी पहल है। इस योजना के अंतर्गत कृषि, उद्यान या अन्य संबद्ध विषयों में स्नातक कर चुके युवाओं को स्वयं का कृषि सेवा के द्र खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सरकार इन केंद्रो की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता के साथ-साथ ऋण पर ब्याज की सब्सिडी और शुरुआती वर्षों में दुकान के किराए में छूट जैसे विशेष प्रोत्साहन प्रदान करती है। एक एग्रीजंक्शन केंद्र पर पहुँचकर किसान न केवल अपनी फसल के लिए आवश्यक संसाधन जुटा सकता है, बल्कि वह सरकारी योजनाओ की सटीक जानकारी और विशेषज्ञों से सीधा संवाद भी कर सकता है। योजना की सफलता इसकी पारदर्शी चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया में निहित है। जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति पूर्ण निष्पक्षता के साथ योग्य अभ्यर्थियों का चयन करती है। इसके पश्चात, चयनित युवाओं को व्यवसाय प्रबंधन, इन्वेंट्री कंट्रोल और आधुनिक कृषि तकनीक की बारीकियों का सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण उन्हें एक पेशेवर व्यवसायी के रूप में तैयार करता है ताकि वे अपने केंद्र को एक लाभप्रद संस्थान की तरह संचालित कर सके । इसमें उन युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है जो स्वयं कृषि पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही, बैंको के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण प्रक्रिया को इतना सुगम बनाया गया है कि पूंजी का अभाव किसी भी मेधावी युवा के उद्यमिता के सपने में बाधक न बन सके। भारतीय कृषि की बदलती तस्वीर और स्नातकों के लिए वरदान एग्रीजंक्शन योजना भारतीय कृषि की उस पारंपरिक छवि को तोड़ रही है जहाँ खेती को केवल श्रम का कार्य माना जाता था। अब तकनीक और डेटा आधारित खेती का युग है। जब किसानों को इन केंद्रो के माध्यम से मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट और उसके आधार पर उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की सलाह मिलती है, तो वे रसायनों के अनावश्यक व्यय से बचते हैं। तकनीक और युवा मेधा का यह संगम भारत में प्रिसीजन फार्मिंग यानी सटीक खेती की बुनियाद रख रहा है। उत्तर प्रदेश के गाँवों में तैयार हो रहा यह नेटवर्क भविष्य की आधुनिक खेती की मजबूत रीढ़ बनेगा। विशेष रूप से कृषि स्नातकों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। अब युवा नौकरी की तलाश करने वाले जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर की भूमिका में आ गए हैं। यह योजना उन्हे समाज में एक विशिष्ट पहचान और स्वाभिमान के साथ व्यवसाय करने का अवसर प्रदान करती है। एक कृषि स्नातक जब अपना केंद्र संचालित करता है, तो वह केवल एक विक्रेता नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवेश में एक कृषि डॉक्टर के रूप में प्रतिष्ठित होता है। सरकार की वित्तीय सहायता और बैंक ऋण का सुरक्षा कवच उन्हें एक स्थिर स्टार्ट-अप वातावरण देता है, जिससे उनके शैक्षिक ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग सुनिश्चित होता है। आत्मनिर्भर भारत और स्वरोजगार का संगम देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और ''वोकल फॉर लोकल'' के विजन को एग्रीजंक्शन योजना धरातल पर चरितार्थ कर रही है। यह स्वरोजगार का एक ऐसा तार्किक और तथ्यपूर्ण मॉडल है जो सीधे तौर पर देश की सबसे बड़ी श्रमशक्ति, यानी किसानों से जुड़ा है। जब एक ग्रामीण युवा आत्मनिर्भर बनता है, तो वह अपने केंद्र के माध्यम से कई अन्य लोगों को भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में धन के चक्रीय प्रवाह को बढ़ाती है और स्थानीय स्तर पर आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करती है। तथ्यों के धरातल पर देखे तो एग्रीजंक्शन केंद्रों की निरंतर बढ़ती लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि युवा अब कृषि को एक उच्च स्तरीय व्यावसायिक उपक्रम मान रहे हैं। यह योजना सीधे तौर पर ग्रामीण विकास, बेरोजगारी उन्मूलन और भारत के स्वर्णिम भविष्य के सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध हो रही है। डबल इंजन सरकार का प्रोत्साहन और आर्थिक लक्ष्य उत्तर प्रदेश में के द्र की सरकार और राज्य की सरकार की डबल इंजन कार्यप्रणाली ने इस योजना को अभूतपूर्व विस्तार प्रदान किया है। सरकार ने न केवल इसके बजट में भारी वृद्धि की है, बल्कि लाइसेंसिंग की जटिल प्रक्रियाओं और ऋण आवंटन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को भी सख्ती से दूर किया है।

ट्रक में घुसी स्कार्पियो, 4 लोगों की मौत

दुर्घटना

बांदा में क्रेन की मदद से निकाले गए शव, आजमगढ़ से महोबा लौट रहा था व्यवसायी परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी

बांदा। बांदा में बेकाबू स्कॉर्पियो-N कार के सिलेंडर लदे ट्रक से टकराने से व्यवसायी, उसकी मां, दादी समेत चार लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आधी कार डीसीएम के नीचे आ गई। गाड़ी ड्राइव कर रहे युवक के सीने में इंजन के कई पार्ट्स टूटकर घुस गए।

युवक और आगे बैठी महिला के शव को निकालने के लिए क्रेन का सहारा लेना पड़ा। जबकि 2 शवों को पिछला दरवाजा खोलकर बाहर निकाला गया। हादसे में एक 19 साल की बहन भी घायल हो गई।

गुरुवार सुबह 9 बजे का यह हादसा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 47.8 पर कोतवाली देहात क्षेत्र के हथौड़ा गांव के पास हुआ है। कार सवार आजमगढ़ से महोबा के कबरई जा रहे थे।

बुंदेलखंड हाईवे पर स्कार्पियो गाड़ी ट्रक में जा घुसी। क्रेन मंगाकर अंदर फंसे शवों को निकाला गया।

आजमगढ़ के थाना जियनपुर के गांव रामगढ़ के रहने वाले अजीत (38) परिवार समेत महोबा के कबरई कस्बे में रहते थे। यहां उनकी टायर की शॉप है। अजीत अपनी मां प्रेमशिला (55), दादी चंद्रावती (80), चाची निशा विश्वकर्मा (40) और 19 साल की चचेरी बहन रिया को लेकर अपने दोस्त की स्कॉर्पियो-N कार से आजमगढ़ अपने कुल देवता की पूजा करने आए थे। बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे अजीत सभी को लेकर कार से महोबा के लिए निकले थे। करीब 450 किमी का सफर तय करने के बाद गुरुवार सुबह 9 बजे वे बांदा के हथौड़ा गांव के पास पहुंचे थे। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अचानक गाड़ी चला रहे अजीत को झपकी आई। झपकी आने की वजह से स्कार्पियो बेकाबू हो गई और वह आगे चल रहे सिलेंडर लदे ट्रक में जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि आधी गाड़ी ट्रक के नीचे आग गई। 15 फीट की गाड़ी पिचककर 6 फीट की बची। गाड़ी में ड्राइवर की स्टेयरिंग, छत और सीटबेल्ट के पास लगे तीनों एयरबैग खुले लेकिन फट गए।

क्रेन से डीसीएम उठाई तब निकाला अजीत का शव

अंदर फंसे 2 शवों को गाड़ी का पिछला दरवाजा खोलकर निकाला गया। जबकि अजीत का शव ड्राइविंग सीट और इंजन के बीच में फंसा हुआ था। आगे बैठी दादी का शव भी डैशबोर्ड और सीट के बीच फंसा था। दोनों शवों को निकालने के लिए क्रेन मंगवाया गया। एक क्रेन से ट्रक को बांधकर उठाया गया। जबकि दूसरी क्रेन से कार को पीछे खिसकाया गया। इसके बाद ड्राइविंग सीट पर फंसे अजीत के शव को बाहर निकाला गया। फिर दादी का शव निकाला जा सका।

अजीत | **प्रेम शिला** अजीत की मां | **चंद्रावती** अजीत की दादी | **निशा** अजीत की चाची

> **बांदा पहुंचे अजीत के रिश्तेदारों ने बताया- अजीत के पिता की राम विनय विश्वकर्मा की कई साल पहले मौत हो चुकी है। दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। अजीत की शादी 8 साल पहले निशा के साथ हुई थी। दोनों का 7 साल का बेटा और 6 साल की बेटी है। हादसे के बाद परिवार में अजीत पत्नी और बच्चे बचे हैं।**

टी-शर्ट पहनने पर गर्भवती पत्नी की हत्या, फिर किया सुसाइड

6 महीने पहले मुंबई की लड़की से की थी लव मैरिज

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में पति ने लोवर-टीशर्ट पहनने पर प्रेग्नेंट पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ। हत्या की वजह पत्नी का लोवर-टीशर्ट और मॉडर्न कपड़े पहनना थीं। पुलिस को पति-पत्नी की व्हाट्सएप चैट में कपड़ों को लेकर हुए विवाद वाले मैसेज मिले हैं।

दरअसल, लव मैरिज के 6 महीने बाद पति-पत्नी का शव कमरे में मिला था। पति का शव पंखे से लटक रहा था, जबकि पत्नी की लाश बेड पर पड़ी थी। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। मंगलवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिवार वालों को चिंता हुई। काफी देर होने पर दरवाजा तोड़ा तो अंदर दोनों की लाशें मिलीं। शुरुआत में पुलिस इसे

सुसाइड का मामला मान रही थी, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद केस ही पलट गया। रिपोर्ट में पता चला कि पत्नी की मौत गला दबाने की वजह से हुई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन खंगाले तो हत्या की वजह भी सामने आ गई। मामला बेलघाट थानाक्षेत्र का है। मुकारीपुर गांव के शादाब (25) का मुंबई में रहने वाली अपनी बुआ की बेटी निकहत निशा (24) से अफेयर था। शादाब के पिता तसव्वुर दुबई में काम करते हैं। मां नजीबुन गांव में ही रहती हैं। शादाब 2 भाई और चार बहनों में चौथे नंबर पर था।

फास्ट न्यूज

'न अच्छा बेटा बन पाया ना ही अच्छा छात्र'

गोरखपुर। गोरखपुर के रामगढ़-ताल थाना क्षेत्र के ब्वॉयज हॉस्टल में रहने वाले छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। गुरुवार को सुबह हॉस्टल के कमरे में पंखे में फंदे के सहारे उसका लटका हुआ शव मिला। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। छात्र के पास से एक पन्ने का सुसाइड नोट भी मिला। जिसमे छात्र ने लिखा कि न मैं अच्छा बेटा बन सका ना ही अच्छा छात्र बन सका, मम्मी-पापा मुझे माफ करना, मैं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया।

दूल्हे ने आईसीयू में भर्ती दुल्हन की मांग भरी

गोरखपुर। गोरखपुर में दूल्हे ने बुधवार रात ICU में भर्ती दुल्हन से अस्पताल में शादी की। उसकी मांग में सिंदूर भरा। इस दौरान पंडित ने मंत्र पढ़े। दोनों को सात वचन दिलाए। रस्मों के दौरान दुल्हन अस्पताल के कपड़ों में बेड पर ही लेटी रही। दोनों की शादी देख परिवार वाले भावुक हो गए। अस्पताल के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ भी इस अनोखी शादी का साक्षी बना। इसके बाद दूल्हा, दुल्हन के गांव पहुंचा। वहां शादी की बाकी रस्में पूरी कीं गईं। दरअसल, 13 मई यानी शादी वाले दिन दुल्हन LLB अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा देने अपने भाई के साथ बाइक से गई थी।

गोरखपुर में बर्बादी बनी आंधी-बारिश

गोरखपुर। गोरखपुर में बुधवार देर शाम तेज आंधी और बारिश शहर के कई इलाके में बर्बादी बन कर आई। कहीं पेड़ गिरने से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई तो कहीं ट्रांसफॉर्मर टूटने से लाखों का नुकसान हुआ। बांसगांव कोतवाली थाना परिसर में जड़ से उखड़कर एक पेड़ गिरने से स्कॉर्पियों और डिजायर सहित कई गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। वहीं गोला क्षेत्र में भी कमरे का दीवार गिरने से किसी का आशियाना उजड़ गया।

मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों के साथ एएसपी ग्रामीण ने की गोष्ठी

पारिवारिक विवादों के संवेदनशील निस्तारण के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने जनपद के सभी थानों में नियुक्त मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों, महिला उपनिरीक्षकों एवं महिला हेल्प डेस्क पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी के दौरान एएसपी ग्रामीण ने समस्त पारिवारिक एवं पति-पत्नी संबंधी विवादों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में काउंसलिंग के माध्यम से आपसी सुलह-समझौते को बढ़ावा दिया जाए, जिससे परिवारों में सामंजस्य बना रहे और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान हो सके।

बैठक में मिशन शक्ति केंद्रों पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक मामले में दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष एवं प्रभावी काउंसलिंग की जाए।

शंकराचार्य की सभा में मधुमक्खियों का हमला

वाराणसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की सभा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। बढ़ती अव्यवस्था को देखते हुए कार्यक्रम तय समय से पहले ही समाप्त कर दिया गया। सभा के बीच शंकराचार्य ने कहा - कुछ लोगों को अच्छी चीज अच्छी नहीं लगती, इसलिए किसी ने छत्ते को कुरेद दिया होगा। उन्होंने सभा में मौजूद सभी लोगों से कहा कि आप लोग पत्थर की मूरत की तरह बैठे रहे यह मधुमक्खी कुछ नहीं करेंगी। इस दौरान उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि वह गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए अभियान में जुड़ेंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा - हमारी सरकार से यही मांग है कि गौमाता को माता कहो, पशु सूची से हटाओ और उनका मांस बेचना बंद करो। सरकार ने अभी तक हमारी बात नहीं मानी है।

दुकानदार बोले- घंटेभर बाद आई फायर ब्रिगेड, 44 दुकानें जलीं, 50 फीट ऊंची लपटें उठीं

चकरपुर मंडी में भीषण आग लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के सचेंडी स्थित चकरपुर सब्जी मंडी में गुरुवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत चबूतरा नंबर-6 स्थित एक आढ़त से हुई और देखते ही देखते उसने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि 44 दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। मौके पर मौजूद आढ़तियों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ती देख दुकानों को छोड़कर जान बचाकर भागना पड़ा। करीब 50 फीट ऊपर तक आग की लपटें देखी गईं।

महिमा फ्रूट कंपनी के मालिक मनोज ने कहा- फायर ब्रिगेड सूचना

के 1 घंटे बाद आई। हमारे 1 हजार कैरेट अनार जल गए हैं। करीब 15 लाख का नुकसान हुआ है। मंडी समिति के पास आग से बचाव के कोई इंतजाम नहीं हैं।

फायर ब्रिगेड के मुताबिक, पहले दो दमकल गाड़ियों को भेजा गया, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में 12 फायर टेंडर मौके पर लगाए गए। करीब तीन घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं हुई। प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, हालांकि अधिकारियों ने कहा है कि विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आएगा।

एक सिलेंडर भी आग की चपेट में आया। पुलिस ने ठंडा करने के लिए उसे पानी में फेंक दिया।

आग बुझने पर दुकानदार बचे सामान, फाइलें आदि इकट्ठा करते दिखे।

मुन्ना ब्रदर्स की आढ़त से शुरू हुई आग

चश्मदीदों के मुताबिक, चबूतरा नंबर-6 पर स्थित मुन्ना ब्रदर्स की फल आढ़त में दोपहर अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग आसपास की दुकानों तक पहुंच गई। मंडी में रखी प्लास्टिक की कैरेट के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। हालात ऐसे हो गए कि आग की लपटें करीब 40 से 50 फीट तक ऊंची दिखाई देने लगीं, जिन्हें दूर से भी देखा गया। शुरुआत में कई आढ़ती बाल्टियों और पाइप से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग बेकाबू हो गई।

प्रयागराज कोर्ट में वकील के भाई को गोली मारी थी, मर्डर केस में 46 साल बाद फैसला

पूर्व विधायक विजय मिश्रा को उम्रकैद

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज कोर्ट ने पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा समेत 4 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हत्या का यह केस 46 साल पुराना है। विजय मिश्रा ने प्रयागराज कोर्ट में वकील श्याम नारायण पांडे के भाई प्रकाश नारायण पांडे को गोली मारी थी। इस हत्या में उसके साथ अन्य तीन आरोपी भी शामिल थे।

एमपी/ एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले पूर्व विधायक विजय मिश्रा के अलावा जीत नारायण, संतराम मिश्रा और बलराम मिश्रा को कल यानी मंगलवार को ही दोषी करार दिया था। हत्या के मामले में मृतक के बड़े भाई ने प्रयागराज के कर्नलगंज थाने में केस दर्ज कराया था। हाथी गांव नवाबगंज

पूर्व विधायक विजय मिश्रा

के रहने वाले श्याम नारायण पांडे पेशे से वकील हैं। 11 फरवरी, 1980 को उन्होंने कर्नलगंज थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि मेरे भाई अपने केस में जमानत के लिए कोर्ट आए थे। वह छोटे लाल के होटल में बैठे थे। तभी विजय मिश्रा, बलराम संतराम और जीत नारायण बंदूक और राइफल लेकर आए। तीनों ने मेरे भाई प्रकाश नारायण पांडे की गोली मारकर हत्या कर दी।

विजय मिश्रा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम, गैंगस्टर, गुंडा, अपहरण, खनिज अधिनियम समेत 77 से ज्यादा मुकदमे हैं। उस पर प्रयागराज के जार्जटाउन, हंडिया, उतरांव, सरायममरेज, फूलपुर कोतवाली और सिविल लाइंस थाने में कई केस दर्ज हैं।

बर्थडे वाले दिन गोली मारकर हत्या की

श्याम नारायण पांडे ने बताया विजय मिश्रा और उसके साथियों ने जिस दिन मेरे भाई की हत्या की। उसी दिन प्रकाश नारायण का जन्मदिन था। संतराम और बलराम से प्रकाश की दुश्मनी थी। संतराम, बलराम, विजय मिश्रा और जीत नारायण ने मिलकर प्रकाश की हत्या की थी। वारदात के दौरान पांच अन्य लोगों को भी गोली लगी थी।

हत्या मामले में सुनवाई के दौरान प्रयागराज कोर्ट में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

आगरा जेल में बंद है पूर्व विधायक

पूर्व विधायक विजय मिश्रा इस समय आगरा जेल में बंद है। प्रयागराज की एमपी/ एमएलए कोर्ट के आदेश पर उसे बुधवार को पेश किया गया। जबकि, बाकी तीन आरोपी जमानत पर कोर्ट में लाए गए। मंगलवार को दोष सिद्ध होने के बाद कोर्ट ने विजय मिश्रा समेत सभी आरोपियों को नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया था। शासकीय अधिवक्ता मनोज पांडे ने बताया- हाईकोर्ट में मुकदमे को लेकर स्टे था। बीच में पत्रावली गायब होने के कारण देरी हुई। हाईकोर्ट के आदेश पर ही केस 2024 में MP-MLA कोर्ट में ट्रांसफर हुआ। मामले में कुल 8 सबूत के अलावा विजय मिश्रा पर पुराने दर्ज 87 मुकदमों को भी कोर्ट के सामने पेश किया गया।

राहुल की आय से अधिक संपत्ति आरोपों की जांच होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच करने को लेकर CBI, ED और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय को निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने एजेंसियों से आठ हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। यह आदेश जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की डबल बेंच ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। उन्होंने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और उनके परिवार ने घोषित आय से ज्यादा संपत्ति बनाई है। यह राहुल गांधी के खिलाफ दायर विग्नेश शिशिर का दूसरा मामला है। इससे पहले शिशिर ने राहुल गांधी पर ब्रिटिश पासपोर्ट रखने और नागरिकता कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भी याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान सीबीआई और ईडी ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शिकायत मिल गई

राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई- ईडी से 8 हफ्ते में जवाब मांगा, अब 20 जुलाई को अगली सुनवाई

है और वे मामले में जवाब दाखिल करेंगे। कोर्ट ने कहा कि शिकायत मिली है तो आरोपों की जांच कानून के मुताबिक की जानी चाहिए। हालांकि बेंच ने साफ कहा कि उसने अभी राहुल गांधी के खिलाफ लगे आरोपों की सच्चाई पर कोई राय नहीं दी है। मामला अभी शुरुआती चरण में है। याचिकाकर्ता ने डीओपीटी, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और एसएफआईओ जैसी एजेंसियों को भी मामले में शामिल करने की मांग की, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया।

बवाल : हमीरपुर में गुस्साई मौसी ने सिपाही का कॉलर पकड़ा, लाठी-डंडे लेकर लोग थाने में घुसे

मामा की शादी में आए बच्चे को ट्रक ने रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

हमीरपुर। हमीरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने मामा की शादी में आए 10 साल के बच्चे को रौंद दिया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। परिजन ने ट्रक का पीछा किया तो वह भागते हुए करीब 4 किमी दूर थाने के पास पहुंच गया। गेट के सामने लोगों ने उसे पकड़ लिया। लेकिन पुलिस ने ड्राइवर और खलासी को छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। इससे परिजन का गुस्सा फूट पड़ा। लाठी-डंडे से लैस गुस्साए परिजन और बारातियों ने थाना घेर लिया। कुछ लोग थाने में घुस गए, धक्का-मुक्की होने लगी। गुस्से में बच्चे की मौसी ने हेड कॉस्टेबल दिनेश कुमार का कॉलर पकड़ लिया और बोली- आग लगा दूंगी। हंगामा बढ़ता देख कई थानों की फोर्स बुलाई गई। पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को खदेड़ा। इसके बाद लोगों ने हाइवे जाम कर दिया। करीब 3 घंटे तक हंगामा चलता रहा। गुरुवार तड़के की यह घटना जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर मिर्जापुर हाइवे पर मुस्करा थाना क्षेत्र की है। मृतक बच्चा दूल्हे का भांजा था। बारात जालौन से आई थी। विदाई की तैयारियों के बीच बच्चा मैरिज लॉन के बाहर खड़ा था, तभी ट्रक ने उसे रौंद दिया। चंदरसी गांव के दीपक राजपूत की बारात बुधवार को हमीरपुर के मुस्करा कस्बे स्थित विक्रम पैलेस मैरिज लॉन में आई थी। देर रात द्वारचार और जयमाल की रस्मों के बाद सुबह करीब 3:30 बजे बारात की विदाई की तैयारियां चल रही थीं।

थाने से निकले तो हाइवे पर बैठे

थाने से निकलने के बाद गुस्साए लोगों ने मिर्जापुर हाइवे को जाम कर दिया। लोगों के धरने की वजह से दोनों तरफ गाड़ियों की कतारें लग गई। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों को समझाया और शांत कराया। करीब 3 घंटे के हंगामा के बाद लोग माने और सुबह करीब 6.30 बजे हाईवे खोला जा सका।

दीवान का कॉलर पकड़ा, पुलिस ने लाठीचार्ज किया

बच्चे की मौसी भी गुस्से में थाने में घुस गई। सामने खड़े दीवान दिनेश कुमार का कॉलर पकड़ ली। परिजन और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। देखते ही देखते माहौल बेकाबू होने लगा। स्थितियों बिगड़ती देख थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने आसपास के थानों से फोर्स मंगाई। फोर्स पहुंची और लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को थाने से खदेड़ा। लाठीचार्ज में कई बारातियों को हल्की चोटे भी आईं। एक युवक घायल हो गया। इसके बाद लोगों का गुस्सा और बढ़ गया।

कार्यशाला के छठे दिवस में जियो एआई और मशीन लर्निंग पर हुआ मंथन

> **कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी अंजली द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य एवं वर्तमान समय में भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा दूरसंवेदी तकनीक (रिमोट सेंसिंग) की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला।**

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "नेविगेटिंग द फ्यूचरः जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग" के छठे दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रोफेसर ए.पी. सिंह, निर्देशक स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम, बरेली कॉलेज के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में देशभर से प्रतिभागियों ने जूम एवं यूट्यूब लाइव के माध्यम से सक्रिय सहभागिता की।

विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला समन्वयक डॉ. जसपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग वर्तमान समय में पर्यावरणीय अध्ययन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन एवं शोध कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरण बन चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इन तकनीकों के माध्यम से आधुनिक शोध एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के छठे दिवस के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के के. बनर्जी सेंटर ऑफ एटमॉस्फेरिक एंड ओशन स्टडीज़ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार सिंह रहे। उन्होंने दूरसंवेदी तकनीक, भू-सूचना विज्ञान (जियोइन्फॉर्मेटिक्स),

जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय मॉडलिंग तथा जलविज्ञान मॉडलिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन, शहरी विस्तार अध्ययन, पर्यावरणीय निगरानी तथा स्मार्ट प्रशासन जैसे क्षेत्रों में जीआईएस आधारित तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

कन्नौज में दोस्त को मिठाई खिलाने आया था ■ तभी बदमाश पीटने लगा मौके पर पहुंची पुलिस

लड्डू न देने पर हत्या गले में गमछा बांधकर घसीटा

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज । कन्नौज में सिरफिरे ने टेलर की हत्या कर दी। टेलर ने मंगलवार को एक जमीन खरीदी थी। जिसके बाद बुधवार सुबह अपने दोस्त को लड्डु खिलाने आया था। गली में आरोपी टहल रहा था। उसने टेलर से लड्डू मांगा, तो उसने मना कर दिया। इसपर आरोपी ने उसे पकड़ लिया और चप्पल से पीटा। फिर सड़क पर पटक कर गला दबाने लगा।

शोर सुनकर मोहल्ले के लोग बाहर आए और टेलर को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उन्हें धक्का दे दिया। टेलर के गले में गमछा कसा और उसके सहारे घसीटकर गली के बाहर ले जाकर मार डाला। जिला मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर पुरानी पुलिस लाइन के पीछे ताजपुर नौकास्त मोहल्ले में टेलर निजामुद्दीन रहते थे। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। जबकि बड़ा बेटा मोइनुद्दीन परफ्यूम की दुकान में कात करता है। पत्नी और छोटा बेटा हासिम घर पर ही रहते हैं। निजामुद्दीन पास की ही कांशीराम कॉलोनी में कपड़ों की सिलाई का काम करते थे। उन्होंने मंगलवार को पुरानी पुलिस लाइन के पीछे 4 लाख रुपए में डेढ़ डिसमिल जमीन का बैनामा कराया था।

निजामुद्दीन, मृतक

वारदात के बाद मोहल्ले के लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक आरोपी मौके से फरार हो गया। वह अपने सगे भाई की हत्या के आरोप में जेल गया था। दो हफ्ते पहले ही जेल से छूटकर आया था। घटना शहर के शेखाना मोहल्ले की है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

गिराकर मारा, फिर गले में गमछा कसा

सीसीटीवी में दिख रहा है कि गमछा कसने के बाद वसीक मुल्ला टेलर को पीटता है। गले में फंदा कसकर गली में तेजी से घसीटते हुए ले गया। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद वो मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी बिनोद कुमार सदर कोतवाली की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। घटना को लेकर मोहल्ले के लोगों से पूछताछ की गई।

■ घटना के बाद वहां मोहल्ले वालों की भीड़ जमा हो गई। भारी संख्या में पुलिसवाले भी पहुंचे।

लड्डू मांगने पर हुआ था झगड़ा

निजामुद्दीन ने अपने दोस्त का दरवाजा खटखटाया तो उसकी बहन बाहर आई। उसने बताया कि भाई अभी घर पर नहीं हैं। इसी बीच निजामुद्दीन लड्डू निकालने के लिए साइकिल पर टंगा झोला लेने गए। तभी आरोपी उनसे बहस करने लगा। मोहल्ले के लोगों का कहना है- आरोपी ने पूछा कि डिब्बे में क्या है। निजामुद्दीन ने कहा कि लड्डू हैं। इसपर उसने लड्डू मांगे। निजामुद्दीन के मना करने पर आरोपी ने निजामुद्दीन को पकड़ लिया और चप्पल से पीटने लगा। इसके बाद कॉलर पकड़कर उन्हें 10 मीटर दूर लाया और जमीन पर पटक दिया। निजामुद्दीन के शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग पहुंचे और बचाव करने लगे। लेकिन आरोपी वसीक मुल्ला ने उन्हें धक्का दे दिया। जबतक कोई कुछ समझ पाता, तब तक उसने अपना गमछा निकला और निजामुद्दीन के गले में फंदा कस दिया।

सांसद हेमा मालिनी ने किया 'मेरो मथुरा' ऐप का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने गुरुवार को 'मेरो मथुरा' ऐप का शुभारंभ किया तथा विश्व प्रसिद्ध गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर स्थापित 500 सोलर स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा भी मौजूद रहे। मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम मथुरा-वृन्दावन की इन दोनों परियोजनाओं को सीएसआर फंड के अंतर्गत HDFC Bank के सहयोग से पूर्ण कराया गया है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, नगर आयुक्त जग प्रवेश, विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड प्रवीण गुप्ता व आशीष श्रीवास्तव सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद हेमा मालिनी ने रिमोट दबाकर सोलर स्ट्रीट लाइटों एवं 'मेरो मथुरा' ऐप का शुभारंभ किया। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर लगाई गई सभी 500 सोलर स्ट्रीट लाइटें फिलिप्स कंपनी की हैं तथा आगामी पांच वर्षों तक इनके अनुरक्षण एवं मेंटेनेंस की जिम्मेदारी एचडीएफसी बैंक द्वारा निभाई जाएगी। इन सोलर लाइटों के लगने से सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग जगमगा उठा है, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और दर्शनार्थियों को काफी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि है, जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं।

■ गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर 500 सोलर लाइटों का लोकार्पण

फास्ट न्यूज

घाटमपुर में बेकाबू डंपर हाइवे पर पलटा

कानपुर । घाटमपुर के जहांगीराबाद में अनियंत्रित डंपर हाइवे पर पलट गया। हादसे में साइकिल सवार चौकीदार की दबकर मौत हो गई। चौकीदार थाने से ड्यूटी करके घर वापस लौट रहा था, सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से डंपर को उठाकर शव को बाहर निकालने के साथ पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस दौरान कानपुर सागर हाइवे पर तीन घंटे यातयात प्रभावित रहा।

सपा सांसद के खिलाफ बीजेपी महिला मोर्चा का प्रदर्शन

कानपुर। कानपुर में गुरुवार को बीजेपी महिला मोर्चा ने हमीरपुर से सपा सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचीं और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूनम कपूर और जिला अध्यक्ष उत्तर अनिल दीक्षित ने किया।

एलपीजी गैस का विकल्प गोबर गैस- पशुधन मंत्री

आगरा । आगरा में गुरुवार को "डेयरी कॉन्क्लेव/स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथिप्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह रहे। आयोजन का उद्देश्य उन्नत व स्वस्थ गोवंश को बढ़ावा देना, डेयरी सेक्टर में निवेश आकर्षित करना और उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्रयासों को गति देना रहा।

जिला जज विकास कुमार ने की स्व-गणना

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। माननीय जिला जज विकास कुमार ने गुरुवार को सेल्फ एन्यूमरेशन / स्व-गणना प्रक्रिया के अंतर्गत स्वयं ऑनलाइन गणना की। इस दौरान माननीय अपर जिला जज राजेश पाराशर एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार ने भी स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण की। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (निदेशक आईटी) अजय कुमार गुप्ता एवं अमित कुमार शर्मा ने डिजिटल जनगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से दो चरणों में संपन्न की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) तथा द्वितीय चरण में जनगणना का कार्य किया जाएगा। जनगणना-2027 के अंतर्गत मकानों की गणना एवं सूचीकरण किया जाएगा। आमजन 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। जिला जज विकास कुमार ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपनी सही एवं तथ्यात्मक जानकारी ऑनलाइन दर्ज करें।

■ जनपदवासियों से ऑनलाइन जनगणना में सहभागिता की अपील

गाजियाबाद में अलंकरण समारोह में परेड की सलामी ली, जवानों के करतब देखे

आपदा से निपटने में एनडीआरएफ का बड़ा योगदान : गृहमंत्री अमित शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। "NDRF देश की जनता को आपदा से बचाने के लिए मजबूती से काम कर रहा है। आने वाले समय में जनहानि को हम शून्य तक पहुंचाने में सफल होंगे।

NDRF ने 8500 से अधिक अपने जवान प्रशिक्षित करने का काम किया है। 10 लाख से ज्यादा नागरिकों को आपदा बचाव का प्रशिक्षण दिया है। जान माल का नुकसान कितना काम कर सकते हैं इस विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम लोग काम कर रहे हैं।" ये बातें गृहमंत्री अमित शाह ने आज गाजियाबाद में कही। वह यहां एनडीआरएफ के अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने परिसर में रुद्राक्ष का पौधा भी लगाया। खुली जीप से निरीक्षण किया। उसके बाद बैठकर NDRF जवानों के करतब देखे। उनके अदम्य साहस की तारीफ की।

इस मौके पर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गोड, एडिशनल पुलिस कमिश्नर केशव कुमार चौधरी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरण नेयर, भाजपा से गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग, बागपत से आरएलडी सांसद राजकुमार सांगवान व अन्य रहे।

12 साल में एनडीआरएफ के कारण दुनिया भर में भारत का कद बढ़ा है

एनडीआरएफ की स्थापना और 16 बटालियन की स्थापना NDRF के लिए बहुत बड़ी परीक्षा थी। जम्मू, पंजाब और दिल्ली में विमान क्रेश हो या फिर अमर नाथ यात्रा, महाकुंभ और जगन्नाथ यात्रा हो। एनडीआरएफ ने हर मौके पर साहस का परिचय दिया। 12 सालों में भारत का कद आज वैश्विक स्तर पर बहुत बढा है। लंका, म्यांमार और तुर्की में अलग-अलग ऑपरेशन ने यह निश्चित कर दिया कि भारत अपने देश में ही नहीं बल्कि विश्व में जहां-जहां आपदा आती है हमारी NDRF वहां लोगों की जान बचाने काम करती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने कहा-भारत में कई प्राकृतिक आपदाएं आईं। हमने उड़ीसा और गुजरात का भूकंप देखा। हिंद महासागर की सुनामी हो या कोई बड़ी आपदा। हर चुनौती से निपटने के लिए हमेशा एनडीआरएफ के जवान तैयार रहे। उन्होंने डटकर इसका सामना किया और लोगों की जान बचाई। इनकी वजह से जानमाल का कम नुक्सान हुआ।

खुली जीप से एनडीआरएफ परेड का निरीक्षण किया

गृहमंत्री आज सुबह साढ़े 9 बजे के करीब गाजियाबाद पहुंचे। यहां वह NDRF राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। एनडीआरएफ के महानिदेशक पीयूष कुमार आनंद ने उनका स्वागत किया। इसके बाद खुली जीप से एनडीआरएफ के DG ने अमित शाह को परेड का निरीक्षण कराया।

इस दौरान परेड के लिए अलग-अलग टोलिया रंग-बिरंगे ड्रेस में नजर आई।

300 स्कूलों के 1000 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा, एआई और रोबोटिक्स जैसी नई तकनीकों को समझा

शिक्षा और तकनीक का संगम

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित तीन दिवसीय भारत शिक्षा एक्सपो का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित आयोजन में एमआईईटी ने शिक्षा, तकनीक और नवाचार का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी विशेष पहचान बनाई। एमआईईटी के पवेलियन पर 25 से अधिक शिक्षकों ने छात्रों के लिए कई रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया, जिसने विद्यार्थियों और अभिभावकों को खासा आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन को साकार करने की दिशा में आयोजित "क्रिएथॉन 2026" एक्सपो का प्रमुख आकर्षण रहा। देशभर से आए छात्र, युवा उद्यमी और नवप्रवर्तकों ने अपने नवीन आइडियाज और तकनीकी कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

एक्सपो में आयोजित ड्रोन शो, रोबो रेस, रोबो वॉर और रोबो सॉकर जैसे कार्यक्रमों ने तकनीक और मनोरंजन का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। इन आकर्षक गतिविधियों ने छात्रों में नई तकनीकों के प्रति उत्साह और जिज्ञासा को और बढ़ाया। कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश सरकार और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। एमआईईटी के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने कहा कि इस एक्सपो का उद्देश्य शिक्षा, तकनीक, नवाचार और करियर को एक मंच पर लाकर छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों को नई दिशा प्रदान करना है।

युवाओं में नवाचार की नई ऊर्जा का संचार किया

एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम, एआईसीटीई आइडिया लैब और एसीआईसी एमआईईटी मेरठ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस एक्सपो में आइडियाथॉन, कोडथॉन, हैकाथॉन और स्टार्टथॉन जैसी प्रतियोगिताओं ने युवाओं में नवाचार की नई ऊर्जा का संचार किया। लगभग 300 स्कूलों के 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और आधुनिक तकनीकों की गहराई को समझा।

भारत शिक्षा एक्सपो में एमआईईटी ने बिखेरा नवाचार का जलवा

एमआईईटी के शिक्षकों ने बेहद सरल और रोचक अंदाज में विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली तकनीकों और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी। डिज़ाइन थिंकिंग, रोबोटिक्स, 3डी प्रोटोटाइपिंग, स्पेस टेक्नोलॉजी और नेचर वर्कशॉप आधारित कार्यशालाओं ने छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान और समस्या समाधान की नई सोच से जोड़ा।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की विकास कार्यों की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को मथुरा जनपद के भ्रमण के दौरान सबसे पहले वृन्दावन स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर ठाकुर बांके बिहारी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के उपरांत उप मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की तथा बाद में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सांसद तेजवीर सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, विधायक मेघश्याम सिंह, विधायक राजेश चौधरी, एमएलसी ओम प्रकाश सिंह, एमएलसी योगेश नौहवार, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पाण्डेय एवं महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में विशेष अभियान चलाकर सभी पात्र लोगों के आधार कार्ड बनवाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची जनप्रतिनिधियों और आम जनता के अवलोकन हेतु उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

'बदल रहा उत्तर...

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन दिनों सरकार के कैबिनेट विस्तार की चर्चा है। सीएम योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट में 6 नए सदस्यों की एंट्री हुई है। वहीं, दो सदस्यों का प्रमोशन हुआ है। योगी आदित्यनाथ सरकार के रविवार 10 मई को हुए मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पॉलिटिकल टोन सेट करने की पूरी कोशिश की गई है। लखनऊ के लोकभवन में जिन 6 मंत्रियों ने शपथ ली थी, उनमें से पांच दलित और ओबीसी समुदाय से थे। वहीं एक ब्राह्मण समुदाय के मंत्री ने शपथ ली। इन मंत्रियों के शपथ ग्रहण से प्रदेश की राजनीति को एक अलग दिशा देने की कोशिश की गई। इसके बाद अब गुरुवार को सीएम योगी के दिल्ली दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ का आज यानी गुरुवार को दिल्ली दौरा हो रहा है। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद वे भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात करने पहुंचे। इन मुलाकातों के मायने उत्तर प्रदेश की राजनीति में तलाशे जा रहे हैं। इसके पीछे की रणनीति को समझने का प्रयास किया जा रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में...

क्रू मेंबर्स ने बताया कि जहाज से किसी विस्फोटक जैसी चीज के टकराने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद जहाज में आग लग गई। हालात बिगड़ने पर सभी 14 क्रू मेंबर्स ने लाइफ बोट की मदद से जहाज छोड़ा।

इससे पहले 7 मई को होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा गुजरात के द्वारका का एक और मालवाहक जहाज MSV AL फैज नूरे सुलेमानी-I भी अमेरिका और ईरान नेवी के बीच फायररिंग का शिकार हुआ था।

ईरान की सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि बुधवार शाम से अब तक करीब 30 जहाज होर्मुज से गुजर चुके हैं। इसके बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखी गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 107.13 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, लेकिन बाद में यह घटकर 105.03 डॉलर प्रति बैरल रह गई।

बाजार में यह राहत इसलिए दिखी क्योंकि जहाजों की आवाजाही शुरू होने से निवेशकों को लगा कि होर्मुज पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।

हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने दक्षिण लेबनान में इजराइल के दो सैन्य ठिकानों पर तोपों से हमला किया है।

हिजबुल्लाह ने कहा कि यह हमला इजराइल की तरफ से लगातार सीजफायर तोड़ने और लेबनानी गांवों पर हमले करने के जवाब में किया गया।

अखिलेश के भाई...

इससे पहले, प्रतीक की अंतिम यात्रा निकाली गई। शिवपाल के बेटे आदित्य ने शव को कंधा दिया। प्रतीक एनिमल लवर थे। शव वाहन पर उनकी डॉग्स और बंदर के साथ वाली तस्वीर लगाई गई।

प्रतीक का बुधवार सुबह 6 बजे 38 साल की उम्र में निधन हुआ था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत की वजह कार्डिएक अरेस्ट बताई गई। उनके शरीर पर 6 चोटें पाई गईं, जो मौत से पहले लगी थीं। इनमें 3 चोटें 7 दिन पुरानी और 3 चोटें एक दिन पुरानी थीं। उनका विसरा सुरक्षित रखा गया है।

प्रतीक, मुलायम यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। उनकी पत्नी अपर्णा यादव भाजपा नेता हैं। इस वक्त राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, प्रतीक फेफड़ों की गंभीर बीमारी पल्मोनरी एम्बोलिज्म की चपेट में थे। इसमें खून का थक्का फेफड़ों में फंसकर ब्लड सर्कुलेशन को रोक देता है। प्रतीक को 13 दिन में दो बार दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ा था। इससे पहले, 30 अप्रैल को लखनऊ एयरपोर्ट पर चलते-चलते गिर पड़े थे। तब मेदांता हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने बताया था कि प्रतीक को दिल का दौरा पड़ा है।

अंतिम यात्रा में हजारों...

हजारों समर्थक साथ-साथ चले और 'प्रतीक यादव अमर रहें' के नारे लगाए। प्रतीक के घर से कुछ दूरी पर ही सपा कार्यालय है। शव को कुछ देर के लिए वहां जमीन पर रखा गया। परंपरा के अनुसार, श्मशान घाट पहुंचने से पहले शव को पांच बार जमीन पर रखा जाता है। शव यात्रा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह भी शामिल हुए।

19 राज्य-यूटी में...

चुनाव आयोग ने बताया कि तीसरे फेज की SIR प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (BLO) तैनात होंगे। BLO की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (BLA) भी शामिल रहेंगे।

SIR के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में SIR प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण SIR के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

तीसरे फेज में SIR वाले राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा वोटर हैं। दादरा और नगर हवेली एवं दमन-दीव में वोटरों की संख्या सबसे कम है।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में SIR कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। पहले फेज के तहत, बिहार में सबसे पहले SIR हुआ था। दूसरे फेज के तहत 28 अक्टूबर 2025 से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR हुआ।

यूपी में 111 मौतों...

अस्पताल में इलाज के बाद उसे घर भेज दिया गया।

आज यानी गुरुवार को मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। मौसम विभाग ने आज 51 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

सोनभद्र में आंधी-तूफान के दौरान रामगढ़-पनूगज मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इसी दौरान जाम में विधायक भूपेश चौबे भी फंस गए।

स्थिति को देखते हुए विधायक खुद सड़क पर उतर आए और लोगों के साथ मिलकर पेड़ की डालियां हटाने में जुट गए। स्थानीय लोगों ने भी उनका सहयोग करते हुए रास्ता साफ कराने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर प्रशासनिक टीम भी मौके पर पहुंची और पेड़ को हटवाकर सड़क पर आवागमन बहाल कराया। पेड़ हटने के बाद वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी, जिससे लोगों को जाम से राहत मिली। रामपुर के मिलक थाना क्षेत्र में खनन ड्यूटी से घर लौट रहे संग्रह अमीन हरीश कुमार गंगवार (59) की मौत हो गई। तेज आंधी के दौरान टूटे बिजली के पोल के तार सड़क पर लटक रहे थे, जिनकी चपेट में उनकी बाइक आ गई। हादसा रठौडा चौराहे के पास हुआ। गर्दन में गंभीर चोट और ज्यादा खून बह जाने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया।

ममता काला कोट...

इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस FIR दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है।

उन्होंने TMC कार्यकर्ताओं पर हमले, आगजनी और हत्याओं के आरोप लगाते हुए कोर्ट से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की। इधर, सुनवाई के बाद जब ममता कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, तो गलियारों में मौजूद वकीलों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। ये सभी ममता को देखकर बुआ चोर-भतीजे चोर के नारे लगाने लगे।

सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) मामले पर सुनवाई की थी, जहां तब बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं ममता बनर्जी ने भीं दलीलें रखीं थीं। कोर्ट रूम में ममता ने 13 मिनट तक अपनी बात रखी। बेंच के सामने हाथ जोड़कर खड़ी ममता ने कहा कि हमें कहीं न्याय नहीं मिल रहा।

12वीं बार 400+ रन बनाए, आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर भी बने

कोहली के टी-20 में सबसे तेज 14 हजार रन

खेल

रायपुर, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में विराट कोहली ने कई रिकाड्र्स बना डाले। कोहली ने नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसी के साथ वे टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने IPL में 12वीं बार 400+ रन का आंकड़ा भी पार किया। वे लीग इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने।

कोहली ने टी-20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए।

> कोहली ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। कोलकाता के खिलाफ मैच जिताऊ शतक लगाने के बाद कोहली को 21वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब उनके और रोहित शर्मा, दोनों के नाम आईपीएल में 21-21 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हो गए हैं।

कोहली ने लगाया आईपीएल करियर का 9वां शतक

कोहली ने IPL में अपना 9वां शतक जड़ दिया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने के रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। जोस बटलर 7 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने टी-20 क्रिकेट में अपना 10वां शतक भी लगाया। इसके साथ ही वह सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में डेविड वॉर्नर की बराबरी पर पहुंच गए। क्रिस गेल 22 शतकों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे आगे हैं, जबकि बाबर आजम के नाम 13 सेंचुरी दर्ज हैं। कोहली ने रनचेज करते हुए IPL में अपना तीसरा शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर की बराबरी कर ली। IPL इतिहास में सबसे ज्यादा चेजिंग सेंचुरी अब बटलर और कोहली के नाम हैं। विराट कोहली IPL में दो अलग-अलग टीमों के खिलाफ 2-2 शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने गुजरात लॉयंस और कोलकाता नाइट राइडर्स, दोनों के खिलाफ दो-दो सेंचुरी लगाई हैं।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर

विराट कोहली IPL इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। RCB के लिए खेलते हुए उन्होंने अपना 279वां मुकाबला खेला और महेंद्र सिंह धोनी व रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। धोनी और रोहित ने IPL में 278-278 मैच खेले हैं। कोहली के नाम अब IPL में 9000 से ज्यादा रन हो चुके हैं।

कोहली कोलकाता के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कोहली IPL में कोलकाता के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। कोलकाता के खिलाफ शतक लगाने के बाद उनके इस टीम के खिलाफ 1126 रन हो गए।

IPL में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कोहली के नाम है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 1174 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन बनाए हैं।

कोहली के शतक से जीती बेंगलुरु, टेबल टॉपर बनी

कोलकाता को 6 विकेट से हराया

रायपुर, एजेंसी

रॉयल चैलैंजर्स बेंलगुरु ने बुधवार को खेले गए IPL मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ बेंगलुरु पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 192 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु ने 19.1 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने नाबाद 105 रन की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। देवदत्त पडिक्कल ने 39 रन बनाए, जबकि जैकब बेथेल ने 15 रन का योगदान दिया। आखिर में जितेश शर्मा 8 रन बनाकर नाबाद लौटे। कोलकाता की ओर से कार्तिक त्यागी ने 3 विकेट लिए, जबकि सुनील नरेन को 1 सफलता मिली।

कोलकाता के लिए अंगकृष रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 46 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। आखिर में रिंकू सिंह ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए। शुरुआत में फिन एलन ने 8 गेंदों में 18 रन की तेज पारी खेली, जबकि कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 13 गेंदों में 19 रन बनाए। कैमरन ग्रीन ने भी 24 गेंदों में 32 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लिश टीम घोषित

क्रॉली बाहर, एमिलियो और रीव को मौका, रॉबिन्सन की वापसी

लंदन, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने लॉर्ड्स में होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने बुधवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। नए नेशनल सिलेक्टर मार्कस नॉर्थ ने ऑस्ट्रेलिया से एशेज सीरीज हारने वाली टीम में 7 बदलाव किए हैं। सबसे चौंकाने वाला फैसला ओपनर जैक क्रॉली को बाहर करने का है।

क्रॉली की जगह डरहम के एमिलियो गे को टीम में शामिल किया गया है। एमिलियो ने इस सीजन में 92 की औसत से 552 रन बनाए हैं। वहीं, ससेक्स के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन की 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज की

मेजबानी करनी है।

इंग्लिश सिलेक्टर्स ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को मौका दिया है। मार्क वुड और ब्रायडन कार्स चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में ऑली रॉबिन्सन को चुना गया है। वे गस एटकिंसन और जोश टंग के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। रॉबिन्सन ने ससेक्स के लिए 6 विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित की है। कप्तान बेन स्टोक्स भी नई गेंद से गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

टीम में 2 स्पिनर्स को शामिल किया गया है। इनमें रेहान अहमद और शोएब बशीर शामिल हैं। रेहान IPL में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं, जबकि बशीर डर्बीशायर के लिए खेल रहे हैं। लॉर्ड्स में इन दोनों में से एक को प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, सनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रीव, ऑली रॉबिन्सन, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) और जोश टंग।

चोट के कारण आईपीएल के बाकी मैच खेलना मुश्किल, घोष की जगह नोरोन्हा को मौका

चेन्नई के जैमी ओवर्टन चोट के कारण इंग्लैंड लौटे

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जैमी ओवर्टन दाहिनी जांघ की चोट के कारण इंग्लैंड लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने बुधवार रात सोशल प्लेटफार्म X पर यह जानकारी दी। हालांकि, टीम ने यह साफ नहीं किया कि वे कितने समय तक बाहर रहेंगे, लेकिन IPL सीजन में बाकी के लीग मैच में उनका खेलना मुश्किल लग रहा है। वे इस सीजन में चेन्नई के टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

ओवर्टन और घोष के अलावा, चेन्नई के 3 अन्य खिलाड़ी भी चोट के कारण बाहर हुए हैं, इनमें खलील अहमद, आयुष म्हात्रे और नाथन एलिस जैसे नाम शामिल हैं।

खलील अहमदः जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने 5 मैचों में टीम के लिए 2 विकेट लिए थे। आयुष म्हात्रेः नंबर-3 के बल्लेबाज आयुष भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए। उन्होंने इस सीजन 6 मैचों में 177.88 की स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए। नाथन एलिसः सीजन शुरू होने से पहले ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते बाहर हो गए थे। चेन्नई ने एलिस को 2024 के मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ में खरीदा था। टीम की सबसे बड़ी चिंता पूर्व कप्तान एमएस धोनी को लेकर बनी हुई है। धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण इस सीजन अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। उनके अलावा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन भी अनफिट होने के कारण बेंच पर हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस भी शुरुआत के तीन मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम को शुरुआती हार झेलनी पड़ी थी।

रामकृष्ण घोष ने अपने डेब्यू मैच में 24 रन देकर 1 विकेट लिया था।

> सीएसके ने यह भी बताया कि उसने चोटिल ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष की जगह कर्नाटक के ऑलराउंडर मैकनील नोरोन्हा को टीम में शामिल किया है। घोष 3 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में चोट लग गई थी। पैर में फ्रैक्चर के चलते उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा। घोष ने अपने इकलौते मैच में 24 रन देकर 1 विकेट लिया था।

नमन अवॉर्ड्स में नोरोन्हा को एमए चिदंबरम ट्रॉफी मिली

मैकनील नोरोन्हा हाल में घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में रहे हैं। हाल ही में BCCI के सालाना 'नमन अवॉर्ड्स' में उन्हें एमए चिदंबरम ट्रॉफी से नवाजा गया था। वे 2024-25 की कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने महाराजा ट्रॉफी 2025 में मंगलुरु ड्रैगन्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 पारियों में 253 रन बनाए और ऑफ-स्पिन से 10 विकेट भी लिए थे।

मनोरंजन

रामायण एक्ट्रेस को लेकर लिया बड़ा फैसला, मेकर्स के मन में अलग ही तरह की उथल-पुथल चल रही

'एक दिन' के फ्लॉप होते ही साई से डगमगाया मेकर्स का भरोसा

नई दिल्ली। ऐसा लगता है कि रामायण के निर्माता साई पल्लवी की हालिया रिलीज 'एक दिन' से खुश नहीं हैं। रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म में साई को हम सीता के किरदार में देखने वाले हैं। लेकिन मेकर्स के मन में अलग ही तरह की उथल-पुथल चल रही है।

हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि एक दिन के प्रमोशन के दौरान साई पल्लवी के कई सारे वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसमें लोगों ने

उनकी हिंदी पर निराशा जाहिर की थी। ऐसे में रामायण के मेकर्स इस मामले में कोई पंगा लेना नहीं चाहते जिसकी वजह से उन्होंने ये फैसला लिया है। एक यूजर ने X पर उनका वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, 'मिलिए साई पल्लवी से, हिंदी के बेसिक शब्द भी नहीं बोल सकतीं। अब वो रामायण में सीता माता का किरदार निभा रही हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'मुझे लगता है कि साई पल्लवी ने यह फिल्म सिर्फ आगामी रामायण में सीता के किरदार के लिए हिंदी डायलॉग और उच्चारण सुधारने के लिए की है।'

> एक्ट्रेस को जुनैद खान के साथ आई अपनी फिल्म 'एक दिन' में उनके हिंदी उच्चारण को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। 1 मई को रिलीज हुई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई और फ्लॉप हो गई।

भारी भरकम बजट में बनाई जा रही रामायण

रामायण में साई पल्लवी सीता तो वहीं रणबीर कपूर राम की भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा फिल्म में यश को रावण, रवि दुबे को लक्ष्मण और सनी देओल को हनुमान के किरदार के लिए चुना गया है। रामायण को दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा। पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज किया जाएगा, जबकि दूसरा पार्ट 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। फिल्म का बजट लगभग 4000 करोड़ है।

रामायण के मेकर्स का अहम फैसला

इन सबके बीच खबर आ रही है कि मेकर्स ने साई पल्लवी को लेकर एक अहम फैसला लिया है। एबीपी न्यूज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म निर्माता साई पल्लवी के डायलॉग्स की डबिंग पर विचार कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि रामायण में भाषा अधिक साफ-सुथरी और समझने में सही लगे। यह निर्णय कथित तौर पर इसलिए भी लिया जा रहा है क्योंकि साई पल्लवी फिल्म में सीता का किरदार निभा रही हैं, जिसके लिए हिंदी उच्चारण बहुत अच्छा होना जरूरी है।

कांस में गाला डिनर में आलिया भट्ट पहुंचीं

एक्ट्रेस फ्लोरल ब्रोकेड आउटफिट में नजर आईं

नई दिल्ली। कांस फिल्म फेस्टिवल 2026 में आलिया भट्ट लॉरियल पेरिस गाला डिनर के दौरान नजर आईं, जहां उन्होंने फ्लोरल ब्रोकेड आउटफिट पहना था। इससे पहले आलिया बुधवार शाम को कांस में आइस ब्लू गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। फिल्म 'ए वूमेन्स लाइफ' के प्रीमियर के दौरान उनका 'सिंड्रेला' अवतार देखने को मिला। रेड कार्पेट पर आने से कुछ घंटे पहले, आलिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लोरियल पेरिस को टैग करते हुए अपने लुक की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हुआ है।

शेफाली जरीवाला की क्या इंजेक्शन लगवाने से हुई मौत

पति पराग बोले- इंसान को जवान रखने वाला इंजेक्शन होता, तो रतन टाटा जिंदा होते

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए इंजेक्शन संबंधी दावों पर उनके पति पराग त्यागी ने प्रतिक्रिया देते हुए इन अफवाहों को खारिज किया और लोगों से गलत जानकारी फैलाना बंद करने की अपील की।

'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का मुंबई में 27 जून 2025 को निधन हुआ था।उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर उनकी मौत को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इनमें कहा गया था कि किसी इंजेक्शन की वजह से उनकी मौत हुई।

फिल्मीज्ञान से बातचीत में पराग ने कहा, 'हम लोग बिल्कुल नॉर्मल खाना खाते थे। नूडल्स से लेकर आइसक्रीम तक सब कुछ खाते थे। शेफाली भी हफ्ते में एक-दो बार आइसक्रीम खाती थीं। घर में दाल, सब्जी, रोटी और क ाब ेहि इ ड्रेट वाली चीजें सब बनती थीं। बस प्रोटीन थोड़ा ज्यादा रहता था।'

पराग ने कहा, 'वो अपनी पूरी लाइफ में इस पॉइंट पर सबसे ज्यादा फिट थीं।' उन्होंने इंजेक्शन संबंधी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कौन हमारे घर में आकर देख के गया है या किसने ये सब बता दिया।' गोरा होने वाले इंजेक्शन की अफवाहों पर पराग ने कहा, 'उनको (शेफाली) और गोरे होने की क्या जरूरत थी? वो नेचुरल ब्यूटी थीं।' वहीं, यंग दिखने वाले इंजेक्शन की बात पर उन्होंने कहा, 'अगर यंग होने के इंजेक्शन आते हैं तो मुझे भी बता दो।

सिंगर दिलजीत दोसांझ के मैनेजर के घर पर फायरिंग

भगवंत मान का आरोप- 'उन पर राजनीति में शामिल होने का दबाव

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ पहले ही ये स्पष्ट कर चुके हैं कि वे राजनीति में नहीं आ रहे हैं। सिंगर को लेकर इस तरह की अफवाह थी लेकिन उन्होंने इस सभी को खारिज कर दिया था।

अब उनके मैनेजर के घर हुई हालिया फायरिंग के बाद मामले ने फिर से तूल पकड़ा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर बीजेपी राजनीति में आने का दबाव बना रही है। उन्होंने नेताओं से कलाकारों को राजनीति में धकेलने से बचने का आग्रह किया और कहा कि कलाकारों का प्राथमिक कार्य जनता का मनोरंजन करना है।

भगवंत मान ने क्या लगाया आरोप?

भगवान मान ने दिलजीत के मैनेजर गुरप्रताप कांग के आवास पर हुई गोलीबारी की घटना पर भी अपनी बात रखी। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एएनआई के हवाले से कहा, ₹पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि भाजपा दिलजीत पर राजनीति में आने के लिए दबाव डाल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा दबाव नहीं डाला जाना चाहिए, क्योंकि गायक पहले ही सोशल मीडिया पर कह चुके हैं कि वे राजनीति में नहीं आना चाहते।

जिनपिंग ने ट्रम्प से कहा- ट्रेड वॉर में कोई नहीं जीतता, ट्रम्प बोले- आपसे दोस्ती सम्मान की बात

‘पार्टनर बनें, प्रतिद्वंद्वी नहीं’

मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में जिनपिंग ने ट्रम्प का स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया।

दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे बैठक चली। बैठक की शुरुआत में जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस बैठक पर नजर लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और अमेरिका-चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पार्टनर बनना चाहिए। उन्होंने कहा, “बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। चीन-अमेरिका आर्थिक संबंधों का आधार आपसी लाभ और विन-विन सहयोग है।” ट्रम्प की चीन यात्रा के बीच बीजिंग ने 15 महीने बाद अमेरिकी बीफ आयात को फिर मंजूरी दे दी है। चीन ने सैकड़ों अमेरिकी मीट प्रोसेसिंग कंपनियों को दोबारा निर्यात लाइसेंस जारी किए हैं। यह फैसला ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक से ठीक पहले आया। 2020 में चीन ने 300 से ज्यादा अमेरिकी कंपनियों को बीफ निर्यात की अनुमति दी थी, लेकिन मार्च 2025 में उनकी मंजूरी रिन्यू नहीं की गई थी। इसे ट्रम्प प्रशासन के शुरुआती टैरिफ के जवाब के तौर पर देखा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक नए लाइसेंस 2029 तक अलग-अलग अवधि के लिए दिए गए हैं। हालांकि इससे बड़े पैमाने पर खरीद की गारंटी नहीं मिलती, क्योंकि चीन आयात के लिए कोटा सिस्टम अपनाता है। इस साल अमेरिका के लिए बीफ आयात कोटा 1.64 लाख मीट्रिक टन, जबकि ब्राजील के लिए 11 लाख मीट्रिक टन तय किया गया है। जिनपिंग के ताइवान पर दिए बयान के बाद ताइवान ने पलटवार किया है। ताइवान सरकार ने कहा कि ताइवान स्ट्रेट और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह चीन की सैन्य गतिविधियां हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में ट्रम्प का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने हाथ भी मिलाए।

ट्रम्प-जिनपिंग में रिश्तों को ‘स्थिर और रणनीतिक’ पर सहमति

ट्रम्प और जिनपिंग ने अमेरिका-चीन रिश्तों को “रचनात्मक, रणनीतिक और स्थिर” बनाने पर सहमति जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक अमेरिका-चीन संबंधों के लिए नए ढांचे पर सहमति बनी है। मंत्रालय ने कहा कि यह व्यवस्था अगले तीन साल और उससे आगे दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक दिशा देगी। बैठक के दौरान जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक और व्यापारिक टीमों के बीच सकारात्मक और संतुलित नतीजे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को इस सकारात्मक माहौल को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

जिनपिंग ने यह भी कहा कि चीन का दरवाजा अमेरिकी कंपनियों के लिए और ज्यादा खुलेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां लंबे समय से चीन के आर्थिक विकास और सुधार प्रक्रिया का हिस्सा रही हैं।

बीजिंग के टेंपल ऑफ हेवन पहुंचे ट्रम्प और जिनपिंग। अमेरिका-चीन शिखर वार्ता के बीच दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक परिसर का दौरा किया और फोटो सेशन कराया।

> वहीं ट्रम्प ने जिनपिंग की तारीफ करते हुए कहा, “आपका दोस्त होना सम्मान की बात है।” ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर होने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी नेताओं को अपने साथ लेकर चीन आए हैं।

अमेरिका-चीन में 9 लाख करोड़ की डील संभव

इस दौरे की सबसे बड़ी चर्चा बोइंग विमान डील को लेकर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन अमेरिकी कंपनी बोइंग से करीब 9 लाख करोड़ रुपए के विमानों की खरीद का बड़ा समझौता कर सकता है। अगर यह डील होती है तो यह दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील्स में शामिल हो सकती है।

बैठक में व्यापार, टैरिफ, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ताइवान जैसे मुद्दों पर भी बातचीत होगी। पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव रहा है, इसलिए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स 790 अंक चढ़कर 75,399 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 14 मई को बढ़त रही। सेंसेक्स 790 अंक (1.06%) की तेजी के साथ 75,399 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 277 अंक (1.18%) की बढ़त रही, ये 23,690 पर बंद हुआ। वहीं IT शेयर्स में आज बिकवाली रही। एक्सपर्ट्स के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आज से बीजिंग में दो दिनों की अहम बैठक शुरू हो रही है।

थोक महंगाई अप्रैल में 8.30%, एक महीने में दोगुनी

नई दिल्ली। अप्रैल में थोक महंगाई दोगुने से ज्यादा बढ़कर 8.30% पर पहुंच गई है। मार्च में यह 3.88% पर थी। अप्रैल में महंगाई 42 महीने में सबसे ज्यादा है। अक्टूबर 2022 में ये 8.39% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 मई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई बढ़ने की वजह रोजाना जरूरत की चीजें और फ्यूल के दाम बढ़ना है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंबा चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है।

भारत ने शुगर एक्सपोर्ट पर 30 सितंबर तक रोक लगाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीनी के निर्यात (एक्सपोर्ट) पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये रोक देश में चीनी यानी शुगर की उपलब्धता बनाए रखने और कीमतों को काबू में रखने के लिए लगाई गई है। 13 मई से लगाई गई यह रोक 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक लागू रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

हंटावायरस के बाद नोरोवायरस की एंट्री

> फ्रांस में क्रूज शिप पर पेट संक्रमण का खतरा, जहाज पर ही रोके गए 1700 यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में एक क्रूज शिप पर संभावित पेट संक्रमण के मामले सामने आने के बाद करीब 1700 यात्रियों को जहाज पर ही रोक दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक कई यात्रियों में गैस्ट्रोएन्टेराइटिस जैसे लक्षण पाए गए हैं।

'एम्बिशन' नाम का यह क्रूज शिप 8 और 9 मई को ब्रिटेन के बेलफास्ट और लिवरपूल से यात्रियों को लेकर फ्रांस और स्पेन की यात्रा पर निकला था। फ्रांस के गिरोंद क्षेत्र की स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, जहाज पर लगभग 50 यात्रियों में तेज पेट खराब होने और उल्टी-दस्त जैसे लक्षण देखे गए।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि लक्षण सामने आते ही प्रभावित यात्रियों की डॉक्टरों द्वारा जांच की गई और उन्हें उनके कमरों में आइसोलेशन में रखा गया। एहतियात के तौर पर बोर्डो में यात्रियों के उतरने की योजना फिलहाल रोक दी गई है। संक्रमित यात्रियों के सैंपल लेकर बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के संक्रामक रोग विभाग में जांच के लिए भेजे गए हैं। इस बीच, 10 मई को जहाज पर 92 वर्षीय एक यात्री की मौत भी हुई। हालांकि क्रूज ऑपरेटर 'एंबेसडर क्रूज लाइन' ने स्पष्ट किया कि मृत यात्री में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी के कोई लक्षण नहीं पाए गए थे। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, 'मौत के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और कोरोनर की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। हम मृतक के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।' फ्रांस की क्षेत्रीय स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि इस घटना का किसी अन्य क्रूज शिप ‘होंडियस’ पर फैले हंटावायरस संक्रमण से कोई संबंध नहीं है। एंबेसडर क्रूज लाइन ने पुष्टि की कि 14 दिन की यात्रा के दौरान कुछ यात्रियों और क्रू सदस्यों में पेट संबंधी बीमारी जैसे लक्षण दिखाई दिए हैं।

4 साल के सबसे लंबे हमले से दहला कीव, रूस ने कीव पर 4 साल का सबसे लंबा हमला किया

रूस ने यूक्रेन पर दागे मिसाइल और ड्रोन

- मिसाइलों और ड्रोनों से कई इलाकों में धमाके हुए
- हमले में तीन लोगों की मौत, रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

गुरुवार तड़के सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने भारी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों से भीषण हमला किया, जो पिछले चार वर्षों की सबसे लंबी बमबारी में से एक है।

कई इलाकों में धमाकों की गूंज सुनाई दी, आपातकालीन सेवाएं सक्रिय हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने का रेस्क्यू अभियान जारी है। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे दुश्मन का भारी हमला करार दिया है।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि रूसी सेना मानव रहित विमानों और मिसाइलों से राजधानी को निशाना बना रही है। उन्होंने निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शहर पर लगातार हमले हो रहे हैं।

कीव में मौजूद एक एएफपी पत्रकार ने कई तेज धमाकों की आवाजें सुनने और वायु रक्षा प्रणालियों को आसमान में आने वाले खतरों को रोकने के लिए फायरिंग करते हुए देखने की पुष्टि की है। यह हमला कई घंटों तक चला, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और बच्चों सहित दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। इन हमलों ने कीव, पोलैंड सीमा के पास स्थित पश्चिमी शहर ल्वीव और काला सागर के तट पर बसे शहर ओडेसा सहित कई अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि मॉस्को का उद्देश्य क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से पहले यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को पस्त करना और उसे कमजोर करना प्रतीत होता है। अधिकारियों ने बताया कि कीव के ओबोलोंस्की जिले में मार गिराए गए ड्रोनों का मलबा गिरा है। बाद में मेयर क्लिट्स्को ने जानकारी दी कि इस मलबे के कारण एक पांच मंजिला आवासीय इमारत को नुकसान पहुंचा है।

- यह ताजा हमला युद्ध में अब तक की रूस की सबसे बड़ी बमबारी के ठीक बाद हुआ है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के अनुसार, बुधवार को रूस ने यूक्रेन के लगभग 20 क्षेत्रों में कम से कम 800 ड्रोन दागे।

सोशल मीडिया पर पुरानी खबरें वायरल', बांग्लादेश सरकार का बड़ा बयान

‘भारत में मुसलमानों के उत्पीड़न के सबूत नहीं’

बयान

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश सरकार ने देश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि पश्चिम बंगाल और असम समेत भारत के अन्य हिस्सों में मुसलमानों को सताया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उसे उत्पीड़न या अत्याचार की ऐसी किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने मंगलवार को इन दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आपके पास क्या सबूत या डेटा है कि मुसलमानों पर इस तरह का अत्याचार शुरू हो गया है? सोशल मीडिया पर कई पुरानी घटनाओं को साझा किया जा रहा है। हमारे राजनयिक मिशन और हमारा विदेश मंत्रालय वहां मौजूद हैं। आप उनसे पूछ सकते हैं। हमें अत्याचार की ऐसी घटनाओं की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। पश्चिम बंगाल की नई सरकार द्वारा सीमा के भारतीय हिस्से में बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन हस्तांतरित करने के फैसले पर, तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार ने कहा कि उसे सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने की भारत की किसी भी औपचारिक पहल के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।

भारतीय दूत को तलब करने की मांग

गृह मंत्री की यह प्रतिक्रिया मीडिया द्वारा पूछे गए उन सवालों के बाद आई, जिनमें जमात ने मुसलमानों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए भारतीय दूत को तलब करने की मांग की थी। असम और बंगाल चुनावों में भाजपा की जीत के बाद जमात-ए-इस्लामी और उसके गठबंधन सहयोगियों ने आरोप लगाया था कि सीमा पार मुसलमानों का लगातार उत्पीड़न हो रहा है और बांग्लादेश विरोधी ताकतें अपना उकसावा, सांप्रदायिकता और दुष्प्रचार फैलाना जारी रखेंगी।

> मंत्री ने कहा कि अगर भारत नो-मैन्स लैंड को बनाए रखते हुए अपनी सीमाओं के भीतर कोई कदम उठाना चाहता है, तो इस पर कूटनीतिक रूप से चर्चा की जाएगी।

> उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि हमें भारत की केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि क्या वे बांग्लादेश सीमा या भारतीय सीमा पर कुछ करना चाहते हैं। यह पूरी प्रक्रिया कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से ही होगी।

जर्मनी: बाल रोग विशेषज्ञ पर यौन शोषण के 130 आरोप

12 सालों तक कई बच्चों के साथ किया दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी के ब्रांडीबर्ग राज्य में एक बाल रोग विशेषज्ञ पर बच्चों के साथ यौन शोषण और बलात्कार के 130 मामलों का आरोप लगाया गया है। पॉट्सडैम के सार्वजनिक प्रोसिक्यूशन कार्यालय ने बताया कि आरोपी चिकित्सक हवेललैंड क्लिनिकेन के अधीन काम करता था। आरोपों में बाल यौन शोषण और बलात्कार के गंभीर मामले शामिल हैं। ये अपराध 12 वर्षों तक चले। अधिकांश अपराध आरोपी के पेशेवर कर्तव्यों के दौरान राथेनो और नौएन के क्लिनिकों में हुए। एनडीटीवी के अनुसार, राथेनो अस्पताल में एक मरीज की मां ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कई डेटा स्टोरेज डिवाइस भी जब्त किए हैं। आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। 6 मई को औपचारिक रूप से आरोप लगाए गए, जिन्हें बुधवार को सार्वजनिक किया गया। मामला अब पॉट्सडैम की क्षेत्रीय अदालत में विचाराधीन है।

> यह मामला फ्रांस में हुए एक सेम मामले की याद दिलाता है। मई 2025 में फ्रांसीसी अदालत ने सेवानिवृत्त सर्जन जोएल ले स्काउर्नेक को 20 वर्ष की सजा सुनाई थी। उसने 1989 से 2014 के बीच 298 बच्चों के साथ यौन शोषण या बलात्कार की बात स्वीकार की थी, जिनमें 250 से अधिक 15 वर्ष से कम उम्र के थे। जर्मनी के इस मामले की जांच जारी है और पीड़ितों की संख्या अभी स्पष्ट रूप से बताई नहीं गई है।

सम्मेलन : ट्रंप से मुलाकात के बाद चिनफिंग ने दिया ट्रेड वॉर खत्म करने का संकेत

‘चीन में अमेरिकी कंपनियों की राह होगी आसान’

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बीजिंग में आयोजित शिखर सम्मेलन वैश्विक अर्थव्यवस्था और कूटनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एलन मस्क, टिम कुक और जेन्सेन हुआंग जैसे अमेरिका की सबसे शक्तिशाली कंपनियों के 15 CEO के प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचे।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिकी व्यापारिक जगत को आश्वस्त करते हुए कहा है कि चीन के दरवाजे अमेरिकी व्यवसायों के लिए और अधिक खुलेंगे और वहां उनके लिए व्यापक संभावनाएं होंगी। बीजिंग में आयोजित यह शिखर सम्मेलन पिछले एक साल से जारी भीषण टैरिफ युद्ध को शांत करने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को बहाल करने और ईरान संकट व ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर आम सहमति बनाने का एक बेहतरीन प्रयास है।

चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर मांग, संपत्ति संबंधी समस्याओं और निर्यात में मंदी के कारण दबाव में है। ऐसे में शी चिनफिंग को इस समय स्थिरता की आवश्यकता है। अमेरिकी चीन के बीच हो रहे इस शिखर सम्मेलन का प्रयास व्यापार युद्ध को फिर से शुरू होने से रोकना है। अमेरिकी व्यापार जगत के नेताओं के साथ एक बैठक के दौरान शी चिनफिंग ने कहा कि चीन के द्वार अमेरिकी व्यवसायों के लिए और भी अधिक खुलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी कंपनियों के लिए देश में व्यापक संभावनाएं होंगी।

> चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ के अनुसार, शी चिनफिंग ने स्वीकार किया कि अमेरिकी कंपनियों ने चीन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे दोनों पक्षों को लाभ हुआ है। चीनी राष्ट्रपति ने कहा, बीजिंग पारस्परिक सहयोग को मजबूत करने के लिए अमेरिका का स्वागत करता है।

अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ी

दरअसल, दोनों देश (अमेरिका और चीन) की अर्थव्यवस्थाएं पिछले साल के टैरिफ युद्ध के झटके महसूस कर रही हैं। टैरिफ 100 प्रतिशत से अधिक हो गए। आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुईं। अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ी। चीन में निर्यात धीमा हो गया। अब एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बाजार की मजबूती के लिए एक बड़े समझौते की तलाश में हैं तो वहीं दूसरी ओर चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग अपनी सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को स्थिरता देने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी मृतकों की संख्या 432 हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर हो गया है। अब तक 432 लोगों की मौत हो चुकी है और 60 हजार से अधिक संदिग्ध व पुष्ट मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने टीकाकरण में कमी, कुपोषण और सरकारी लापरवाही को स्थिति बिगड़ने का मुख्य कारण बताया है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर होता जा रहा है, इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 432 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम आठ और लोगों की मौत हुई है। देश में खसरे के पुष्ट और संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 60 हजार से अधिक हो गई है, जिससे स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा प्रकोप बताया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, ये मौतें बुधवार सुबह तक के 24 घंटों में दर्ज की गईं। इसी अवधि में, 1489 संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे संदिग्ध संक्रमणों की कुल संख्या 53,056 हो गई। इसके अतिरिक्त, 126 पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 7150 हो गई। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने यह जानकारी दी। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ मुश्ताक हुसैन ने कहा कि समय पर टीकाकरण न होने के कारण खसरे के मामले तेजी से फैले हैं। उन्होंने कहा, यदि प्रकोप को देखते हुए कोई उचित कदम उठाया गया होता, तो मृत्यु दर काफी कम हो सकती थी। हुसैन ने यह भी कहा कि एक बार जब मामले 50 हजार का आंकड़ा पार कर जाते हैं, तो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाना चाहिए, और ऐसा न करके काफी गलत किया गया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96